RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:327 ता. 18 जून 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

खड़ी ट्रेन में पीछे से मालगाड़ी ने मारी टक्कर, तीन बोगियां क्षतिग्रस्त, 7 की मौत

कोलकाता। (एजेंसी)

पश्चिम बंगाल में बड़ा ट्रेन हादसा हुआ है। सियालदाह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस निजबाड़ी से पहले खड़ी थी, तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रही मालगाड़ी ने ट्रेन में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की तीन बोगियां एक दूसरे पर चढ़ गईं। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई। हालांकि राहत और बचाव कार्य जारी है मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। ट्रैक से बोगियों को हटाकर फंसे यात्रियों को निकाला जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो कंचनजंगा की तीन बोगियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कई यात्री बुरी तरह से घायल हो गए हैं। हादसा रंगा पानी और निजबाड़ी स्टेशन के बीच हुआ है। ट्रेन न्यू जलपाई गुड़ी से निकली ही थी और किशनगंज होकर सियालदाह जा रही थी। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मौके पर एक टीम भेजी है। हादसा इतना भयंकर है कि बोगियों के ऊपर बोगियां चढ़ गईं। इतना ही नहीं ये बोगियों बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गईं। गैस कटर से काटकर बोगियों को निकाला जा रहा है। अब तक पांच की मौत हो चुकी है। कई घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक प्रत्यक्षदर्शी यात्री ने बताया कि वह ट्रेन के अंदर बैठे थे, तभी पीछे से जोर का झटका लगा। उन्हें कुछ समझ आता, यात्री यहां-वहां भागने लगे। तेज चीखें और शोर हर तरफ सुनाई दे रहा था। वह भी ट्रेन से उतरकर पीछे की ओर भागे।कंचनजंगा ट्रेन हादसे पर रेल मंत्रालय का बयान सामने आया है। मंत्रालय की ओर से बताया गया कि कंटेनर ट्रेन सिग्नल से आगे निकल गई और कांचनजंगा ट्रेन के पिछले हिस्से से टकरा गई। कंचनजंगा कोच के पास दो पार्सल वैन और गार्ड कोच हैं। एनडीआरएफ, डिवीजनल टीम और 15 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची है।मंत्री भी वॉर रूम में हैं। फिलहाल दो की मौत की संभावना है।यात्री ने बताया कि ट्रेन के पिछले हिस्से पर भारी भीड़ जमा थी। पता चला कि ट्रेन एक्सिडेंट हुआ है। अफसरों ने बताया कि ट्रैक और ट्रेन में फंसे यात्रियों को निकालकर पास के अस्पताल में भेजा गया है। वहीं शवों को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। यात्रियों की पहचान की जा रही है। ट्रेन हादसा कैसे हुआ? इसकी जांच के आदेश दिए गए हैं। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने भी लोको पायलट्स से पूछताछ शुरू कर दी है। मालगाड़ी का ड्राइवर भी गंभीर घायल बताया जा रहा है।

गार्ड और लोको पायलट की मौत

बताया जा रहा है कि कंचनजंगा एक्सप्रेस के गार्ड आशीष और मालगाड़ी के लोको पायलट की हादसे में मौत हो गई है। फिलहाल आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं हुई है। दुर्घटना के बाद इस बिजी रूट में अन्य ट्रेनों के लिए रूट डायवर्ट होने की खबर है। सिलीगुड़ी ठाकुरगंज के रास्ते रूट डायवर्ट किया गया है।वहीं दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा इलाके में एक दुखद ट्रेन दुर्घटना के बारे में जानकर अभी-अभी सदमे में हूं। जबकि विवरण का इंतजार है, कंचनजंगा एक्सप्रेस कथित तौर पर एक मालगाड़ी से टकरा गई है। डीएम, एसपी, डॉक्टर, एम्बुलेंस और आपदा दलों को बचाव, रिकवरी, चिकित्सा सहायता के लिए घटनास्थल पर भेजा गया है। युद्ध स्तर पर कार्रवाई शुरू की गई।

पहला कॉलम

रियासी आंतकी हमले की जांच करेगी एनआईए

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने रियासी आंतकी हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दी है। घटनाक्रम से जुड़े लोगों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह निर्णय रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया, जिसमें उन्होंने सेना, अर्धसैनिक बलों और खुफिया एजेंसियों को जम्मू क्षेत्र में भी आतंकवाद के खिलाफ कश्मीर घाटी में हासिल की गई सफलताओं को दोहराने का निर्देश दिया। संघीय एजेंसी ने जम्मू-कश्मीर पुलिस से जांच का जिम्मा संभालने के बाद अपनी स्वयं की प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कर ली है। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए हमले में एक बड़ी साजिश की जांच करेगी, जिसका संबंध कठुआ और डोडा में पिछले मंगलवार और बुधवार को हुए तीन अन्य हमलों से भी हो सकता है। बताया जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पिछले एक सप्ताह में कई लोगों से पूछताछ की है, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जो आतंकवादियों का समर्थन करते थे। गृह मंत्री शाह ने स्थानीय खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने, आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली सुरंगों का पता लगाने और ड्रोन घुसपैठ से निपटने के लिए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल के महत्व पर भी जोर दिया और रेखांकित किया कि सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को मिशन मोड पर काम करने और समन्वय को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता है।

पोक्सो मामले में सीआईडी के सामने पेश हुए येदियुरप्पा

बेंगलुरु । कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता बीएस. येदियुरप्पा पोक्सो मामले में पूछताछ के लिए सीआईडी पुलिस के सामने पेश हुए। बता दें कि सीआईडी पुलिस अधीक्षक (एसपी) सारा फातिमा की अगुवाई वाली टीम मामले में येदियुरप्पा से पूछताछ करेगी। न्यायमूर्ति कृष्ण एस. दीक्षित की अध्यक्षता वाली पीठ ने येदियुरप्पा को सोमवार को बिना किसी चूक के अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था, जैसा कि उन्होंने पुलिस को दिए अपने जवाब में उल्लेख किया था। मार्च में येदियुरप्पा के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज की गई थी। महिला ने आरोप लगाया कि जब वह मदद मांगने पूर्व सीएम के आवास पर गईं, तब उनकी बेटी को परेशान किया गया। 3 मार्च 2024 को पीड़िता की मां ने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करके बताया कि उसकी नाबालिग बेटी का यौन उत्पीड़न किया गया है। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री को इसलिए निशाना बना रही है क्योंकि पार्टी लोकसभा चुनाव में हार को पचा नहीं पा रही है।

अमित शाह की बैठक के बाद दिखने लगा एक्शन, बांदीपोरा में सुरक्षाबलों ने 1 आतंकी को मार गिराया

श्रीनगर। सुरक्षाबलों ने सोमवार की सुबह-सुबह एक आतंकवादी को मौत के घाट उतार दिया। बांदीपोरा में इलाके में लोगों की नींद गोलियों की आवाज सुनकर खुली। फिलहाल, सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और सर्च ऑपरेशन जारी है। दरअसल, जैसे ही बांदीपोरा जिले के अरागाम गांव में कुछ गोलियों की आवाज सुनी गई, सुरक्षाबलों ने घेराबंदी कर तलाशी शुरू कर दी। कुछ देर बाद गोलीबारी बंद हो गई। बाद में पता चला कि सुरक्षाबलों की गोलियों से एक आतंकी ढेर हो गया है। फिलहाल, इलाके में तलाशी अभियान अब भी जारी है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बैठक कर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को कुचलने और एक सुचारू, सुरक्षित तथा घटना-मुक्त अमरनाथ यात्रा सुनिश्चित करने की सलाह दी। केंद्र के सख्त निर्देश के मद्देनजर, सुरक्षा बलों द्वारा जम्मू-कश्मीर में आने वाले दिनों में आतंकवादियों और उनके समर्थकों को निशाना बनाने के लिए बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने की उम्मीद है।

थल और वायुसेना को मिलेंगे 156 प्रचंड अटैक हेलिकॉप्टर

रक्षा मंत्रालय का बड़ा फैसला

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय थल सेना के लिए 90 और भारतीय वायुसेना के लिए 66 लाइट कॉम्बैट हेलिकॉप्टर प्रचंड की हिदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से मांग की है। इसे लेकर रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल भी जारी किया है। माना जा रहा है कि ये 156 प्रचंड हेलिकॉप्टर्स को चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर तैनात किया जाएगा। हमने पिछले साल आपको बताया था कि यह डील होने वाली है। दोनों सेनाओं को भरपूर ताकत मिलेगी। इन दोनों ही सेनाओं के पास फिलहाल 15 हेलिकॉप्टर्स हैं। 10 वायुसेना के पास। पांच थल सेना के पास। इन हेलिकॉप्टरों को चीन और पाक की सीमाओं के पास तैनात किया गया है। इसके अलावा जो नए हेलिकॉप्टर्स आएंगे, उन्हें भी चीन और पाकिस्तान की स्ट्रैटेजिक प्वाइंट्स पर तैनात किया जाएगा। वायुसेना ने इन हेलिकॉप्टर्स के साथ सेना का युद्धाभ्यास भी किया था।

पाक सीमा के पास तैनात है पहला स्क्वॉड्रन

पाकिस्तान की सीमा के पास पहला स्क्वॉड्रन तैनात है। जिससे पाकिस्तान सीमा के आसपास निगरानी करना ज्यादा बेहतर हो गया है। साथ ही आतंकी और घुसपैठियों पर लगाम लगाने में मदद मिल रही है। प्रचंड हेलिकॉप्टर्स से कॉम्बैट सर्च एंड रेस्क्यू, डिस्ट्रक्शन ऑफ एनेमी एयर डिफेंस, काउंटर इनसर्जेंसी ऑपरेशन, रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट को मार गिराने में आसानी होगी और हाई एल्टीट्यूड बंकर बस्टिंग ऑपरेशंस में मदद मिलेगी। इन हेलिकॉप्टरों को सात यूनिटों में सात अलग-अलग पहाड़ी इलाकों में तैनात किया जाएगा।

लगातार तीन घंटे उड़ान क्षमता, हथियारों से लैस

रेंज 550 किमी है। लगातार 3 घंटे 10 मिनट की उड़ान भरने की क्षमता है। यह पर्याप्त मात्रा में हथियारों और जरूरी चीजों के साथ 16,400 फीट की ऊंचाई पर भी टेकऑफ कर सकता है। एनसीएच में 20 मिमी की एक तोप है। चार हार्डप्वाइंट्स होते हैं यानी रॉकेट्स, मिसाइल और बम लग सकते हैं। या फिर इनका मिश्रण। इस हेलिकॉप्टर का कॉकपिट ग्लास का है। साथ ही फ्रेम कंपोजिट है। भविष्य में इसके वर्जन को और भी ज्यादा अपग्रेड किया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से मिलने पहुंचे केंद्रीय मंत्री रिजिजू

नई दिल्ली । (एजेंसी)

नई लोकसभा के पहले सत्र से एक सप्ताह पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने उनके राजाजी मार्ग स्थित आवास पर खड़गे से मुलाकात की, जिसे शिष्टाचार भेंट बताया गया। इसके बाद में मंत्री रिजिजू ने पोस्ट में बैठक की एक तस्वीर साझा की।

उन्होंने लिखा कि राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष खड़गे जी के साथ मेरी सुखद शिष्टाचार मुलाकात हुई। उन्होंने मेरे साथ अपने जीवन के कई मूल्यवान अनुभव साझा किए। हम सब मिलकर देश के लिए काम करने वाले है।

पिछले सप्ताह मंत्रालय का कार्यभार संभालते हुए रिजिजू ने कहा था कि संख्या बल के आधार पर सरकार या विपक्ष को एक-दूसरे को नीचा दिखाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि वह संसद के सुचारू कामकाज के लिए सभी तक पहंचूगा। 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून को शुरू होगा, इस दौरान निचले सदन के नए सदस्य शपथ लेने और अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।

राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी ने ईद-उल-अजहा पर दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। (एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को ईद-उल-अजहा पर देशवासियों, विशेषकर देश-विदेश में रहने वाले मुस्लिम भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी से मिलजुल कर काम करने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शुभकामनाएं देते हुए समाज में सद्भाव और एकता के और मजबूत होने की कामना की है।राष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सभी देशवासियों, विशेषकर देश-विदेश में रहने वाले मुस्लिम भाई-बहनों को ईद-उज-जुहा की हार्दिक शुभकामनाएं! त्याग और बलिदान का यह त्यौहार हमें अपनी खुशहाली को सबके साथ, विशेषकर जरूरतमंद लोगों के साथ, बांटने का संदेश देता है। आइए इस अवसर पर हम सब सभी देशवासियों, विशेषकर वंचित वर्गों के लोगों के हित में, मिलजुल कर कार्य करने का संकल्प लें। पीएम मोदी ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर पोस्ट किया, ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं। यह विशेष अवसर हमारे समाज में सद्भाव और एकजुटता के बंधन को और मजबूत करे। सभी लोग खुश और स्वस्थ रहें।

पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त आज होगी जारी

-9.26 करोड़ से अधिक किसानों को 20,000 करोड़ से अधिक का लाभ मिलेगा

-कृषि सखियों को भी किया जाएगा सम्मानित

नई दिल्ली । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को वाराणसी में पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे, जिसमें 9.26 करोड़ से अधिक किसानों को 20,000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिलेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री कृषि सखी के रूप में प्रशिक्षित 30,000 से अधिक एसएचजी को पैरा एक्सटेंशन कार्यकर्ताओं के रूप में काम करने के लिए प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे ताकि वे पैरा-विस्तार कार्यकर्ता के रूप में काम कर सकें और साथी किसानों को खेती में मदद कर सकें। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि योजना की 17वीं किस्त किसानों के खाते में ट्रांसफर करेंगे। इससे पहले 28 फरवरी को 16वीं किस्त जारी की गई थी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की शुरुआत 1 फरवरी 2019 को हुई थी, जिसके तहत अब तक 16 किस्तें किसानों के खाते में ट्रांसफर की जा चुकी है। इस योजना के तहत किसानों को हर साल तीन किस्तों में 6000 रुपये दिए जाते हैं। ये राशि सीधे किसानों के खाते में भेजी जाती है। केंद्र सरकार ने पीएम किसान

योजना का लाभ उठाने के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया को अनिवार्य कर दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद पीएम मोदी ने सबसे पहले पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करने से संबंधित फाइल पर हस्ताक्षर किए। पीएम किसान योजना की शुरुआत से अब तक देश भर के 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है।

भारत ने ऐसी चली चाल.....पुतिन भी हुए खुश, चीन और पाकिस्तान हुए पस्त

मोदी सरकार की सटीक कूटनीति का बजा डंका

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत और रूस की दोस्ती यूं ही पक्की नहीं है। यूक्रेन पीस समिट में भारत ने ऐसी चाल चली कि पुतिन भी खुश हो गए। भारत किसी भी जंग में शांति का पक्षधर रहा है।

रूस-यूक्रेन जंग में भी भारत का यही स्टैंड दुनिया के सामने रहा है। मगर पूरी दुनिया तब चौंक गई, जब भारत ने स्विटजरलैंड में यूक्रेन शांति दस्तावेज पर साइन नहीं किया। भारत ने दांव तब चला, जब दुनिया के 80 से अधिक देशों ने शांति दस्तावेज पर साइन किए। पर भारत अपने दोस्त रूस के साथ किसी तरह की गद्दारी नहीं चाहता था। भारत चाहता है कि किसी भी शांतिपूर्ण समाधान के लिए दोनों पक्षों यानी रूस और यूक्रेन का एक मंच पर होना जरूरी है। साथ ही दोनों की राय भी जरूरी है।

दरअसल, स्विटजरलैंड में यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन का आयोजन हुआ। भारत ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए रूस और यूक्रेन के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी की जरूरत को रेखांकित किया।

भारत का मानना है कि किसी भी शांति दस्तावेज पर साइन करने से पहले दोनों पक्षों की भागीदारी और राय जरूरी है। इसकारण भारत ने शिखर सम्मेलन से जारी होने वाले किसी भी संयुक्त बयान अथवा शांति दस्तावेज से खुद को अलग कर लिया।

दरअसल भारत शांति चाहता है, मगर एकतरफा शर्तों पर नहीं। क्योंकि यूक्रेन पीस समिट में रूस शामिल नहीं था। इसकारण से भारत को यह स्टैंड अपनाना पड़ा। भारत चाहता है कि किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले रूस और यूक्रेन का एक साथ एक मंच पर होना जरूरी है। रिपोर्ट की मानें रूस को समिट में नहीं बुलाया गया था। हालांकि, चीन और पाकिस्तान को इसमें शामिल होने का न्यौता मिला था।

मगर पाकिस्तान और चीन दोनों ने स्विटजरलैंड समिट में शामिल होने से इंकार किया। मगर भारत मामले में चीन और पाकिस्तान से एक कदम आगे निकल गया। भारत भी रूस की दोस्ती की खातिर पाकिस्तान और चीन की तरह यूक्रेन शांति समिट से दूर रह सकता था। मगर भारत ने दुनिया का मान भी रखा और दोस्ती की लाज भी।

मोदी सरकार ने स्विटजरलैंड में जाकर और यूक्रेन शांति दस्तावेज पर साइन न करके एक तीर से दो निशाने किए हैं। एक शांति समिट में जाकर दुनिया के सामने अपनी शांतिदूत वाली छवि को बरकरार रखा है। दूसरा यह कि भारत ने रूस संग अपनी दोस्ती की लाज भी रखी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने इस शिखर सम्मेलन से जारी होने वाले किसी भी विज्ञप्ति या दस्तावेज से खुद को संबद्ध नहीं किया है। सम्मेलन में भारत की भागीदारी, साथ ही यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित पूर्ववर्ती एनएसए या राजनीतिक निदेशक स्तर की बैठकों में भागीदारी, संवाद और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को सुगम बनाने के हमारे सतत दृष्टिकोण के अनुरूप है।

अब तक 25,000 करोड़ रुपये की चपत लग चुके साइबर ठग

केंद्र सरकार के कान खड़े......हो रही हाईलेवल मीटिंग

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत में साइबर फ्रॉड की जड़ काफी मजबूत हो चुकी है। इसकी वजह से हर दिन कोई न कोई इसका शिकार हो रहा है। साइबर फ्रॉड से किसी को लाखों की चपत लग रही हैं, तब किसी से करोड़ों की ठगी हो रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि पिछले तीन सालों में हम भारतीय साइबर फ्रॉड से इतने रुपए गंवा चुके हैं, जितना किसी राज्य का सालान बजट होता है। जी हां, पिछले 3 सालों में साइबर फ्रॉड से भारतीयों को 25,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। यह रकम सिक्किम राज्य के सालाना बजट से दोगुनी है।

सूत्रों की मानें, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में एक हाई लेवल की बैठक हुई है। इसमें गृह मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों ने इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और गूगल जैसे विभिन्न सोशल मीडिया मचों के साथ अपनी चिंताओं को शेयर किया है। डेटा से खुलासा हुआ है जनवरी 2024 से जून 2024 तक सेंट्रल साइबर फ्रॉड एजेंसी को 709 शिकायतें मिलीं। इसमें पीड़ितों को 1 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। कुल नुकसान 1,421 करोड़ रुपये था। बैठक में शामिल हुए सीनियर अधिकारी ने बताया कि सरकार लगातार एक ऐसी प्रणाली पर काम कर रही है, जहां सूचना का प्रवाह तेज हो। फिलहाल, सभी कंपनियां शुरुआती चरण में भी कई तरह के डिटेल्स मांगती हैं। इसकारण साइबर फ्रॉड को रोकने की प्रक्रिया में देरी होती है। हाल के दिनों में साइबर क्राइम के कई मामले सामने आए, मसलन- एम्स पर साइबर हमले, आईसीएमआर यानी भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद डेटा लीक और लोन देने वाले एप से फ्रॉड. नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर 2020 से फरवरी 2024 के बीच 31 लाख शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। केंद्र के एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, सबसे बड़ी चिंता यह है कि साइबर फ्रॉड के मामलों में गिरफ्तारी की संख्या बहुत कम है। आधिकारिक डेटा के मुताबिक, साइबर फ्रॉड से संबंधित विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा दर्ज कुल मामले या एफआईआर 66,000 से ज्यादा हैं। लेकिन अब तक गिरफ्तारियां केवल 500 हैं। सूत्रों के अनुसार, भारत सरकार ने सोशल मीडिया मंचों से अपनी सिफारिशों पर काम करने को कहा है। सूत्रों ने कहा कि कंपनियों को लोन ऐप, पोंजी स्कीम और स्टॉक ट्रेडिंग समूहों पर फर्जी विज्ञापनों का पता लगाने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। इतना ही नहीं, सरकार ने उनसे भारतीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों से डेटा अनुरोधों में तेजी लाने का भी आग्रह किया है। फिलहाल, इसमें सप्ताह भर का वक्त लगता है।

एआईएडीएमके खत्म नहीं हुई..... क्योंकि अब मेरी एंट्री शुरु हो गई

जयललिता की करीबी शशिकला का ऐलान

चेन्नई ।

दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी वीके शशिकला ने कहा कि यह नहीं सोचा जा सकता है कि लोकसभा चुनावी नतीजों में एआईएडीएमके का सफाया हो गया है क्योंकि उनकी एंट्री फिर से शुरू हो गई है, इस के साथ उन्होंने 2026 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर जयललिता के शासन को आगे बढ़ाने की कसम भी खाई। शशिकला ने पलानीस्वामी पर निशाना साधकर कहा कि अन्नाद्रमुक के नेतृत्व कर पलानीस्वामी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा सके। शशिकला ने कहा कि अगर पलानीस्वामी ने विपक्ष के नेता के तौर पर सही सवाल नहीं पूछे तब वे विपक्षी दल के रूप में स्टालिन सरकार से सवाल करेंगी। इतने वर्षों में पलानीस्वामी के नेतृत्व में शशिकला पार्टी में वापसी नहीं कर पाईं, लेकिन अब उन्होंने अपने समर्थकों को संबोधित कर अपनी वापसी का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से, तमिलनाडु के लोग हमारे पक्ष में हैं... मैं बहुत मजबूत हूं... ऐसा नहीं सोचा जा सकता कि एआईएडीएमके खत्म हो गई है और ऐसा इसलिए है, क्योंकि मेरी एंट्री शुरू हो गई है। कार्यकर्ताओं और लोगों के समर्थन से 2026 विधानसभा चुनाव जीतकर अम्मा (जयललिता) के शासन की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने बताया कि वह जल्द ही पूरे राज्य का दौरा करेंगी। वे सरकार से सवाल करेंगी, जिसका जवाब द्रमुक सरकार को देना होगा।

उन्होंने कहा, पार्टी के संस्थापक एमजीआर और दिवंगत कुलमाता अम्मा जयललिता द्वारा पोषित पार्टी में इस तरह की जाति आधारित राजनीति लाना उन्हें और पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि उनके पास कोई जाति आधारित विचार होता, तब उन्होंने 2017 में एडप्पादी के पलानीस्वामी को मुख्यमंत्री नहीं बनाया होता। उन्हें राज्य के पश्चिमी क्षेत्र के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री बनाया गया था, जो हमेशा से पार्टी के साथ खड़ा था। आज, उन्होंने कहा कि पार्टी हाल के लोकसभा चुनावों में तीसरे और चौथे स्थान पर खिसक गई है और कई सीटों पर उसकी जमानत भी जब्त हो गई है।

दिल्ली में जलसंकट.......बनता जा रहा विवादों की जड़

पानी को लेकर हुआ विवाद तीन लोग घायल

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिल्ली में पानी का संकट अभी बरकरार है, दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच यह और भी बढ़ गया है। पानी की कमी से परेशान लोग हिंसा पर उतारू हो चुके हैं। द्वारका में आम नल से पानी भरने को लेकर हुए विवाद में तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने सेक्टर 23, द्वारका में झगड़े को लेकर दो पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थीं और जांच के लिए एक टीम मौके पर भेजी गई थी।

पुलिस ने बताया शुरू में हमें पता चला कि विवाद के कारण तीन लोग घायल हुए हैं और उन्हें इलाज के लिए इंदिरा गांधी अस्पताल ले जाया गया है। वहीं आप विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को एक पत्र सौंपा, जिसमें उनसे आग्रह किया गया कि वे सुनिश्चित करें कि हरियाणा दिल्ली को पानी की आपूर्ति करे और दिल्ली निवासियों को तत्काल राहत प्रदान करें। आप विधायक दिलीप पांडे ने कहा कि दिल्ली में पानी का संकट हर गुजरते पल के साथ गंभीर होता जा रहा है। भीषण गर्मी है और इस भीषण गर्मी में पानी ही जीवन है। भाजपा ने दिल्ली शहर में जल संकट को लेकर आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली केजरीवाल सरकार के खिलाफ रविवार को मटका फोड़ विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पानी की कमी को लेकर शहर में 14 स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया। सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाकर सचदेवा ने कहा, हमने हमेशा कहा है कि दिल्ली में पानी की कमी प्राकृतिक कारणों से नहीं है, बल्कि यह आम आदमी पार्टी के कुप्रबंधन और लापरवाही का नतीजा है।

राज्यपाल बोस का आदेश....तुरंत राजभवन परिसर से बाहर निकले पुलिस

कोलकाता ।(एजेंसी)

पश्चिम बंगाल में एक और बड़ी राजनीतिक घटना घटी है। बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने कोलकाता पुलिस के ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को राजभवन परिसर तुरंत खाली करने को कह दिया है। यह आदेश उन आरोपों के मद्देनजर आया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि राजभवन में तैनात पुलिसकर्मी राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों को उनसे मिलने और अपनी शिकायतों के बारे में राज्यपाल को जानकारी देने की अनुमति नहीं दे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया, बोस राजभवन के उत्तरी गेट के पास पुलिस चौकी को 'जन मंच' में बदलने की योजना बना रहे हैं राज्यपाल ने प्रभारी अधिकारी सहित राजभवन के अंदर तैनात पुलिस अधिकारियों को तुरंत परिसर खाली करने का निर्देश दिया है। यह कदम तब उठाया गया है, जब कुछ दिन पहले ही पुलिस ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी और राज्य में चुनाव बाद हुई हिंसा के कथित पीड़ितों को बोस से मिलने के लिए राजभवन में प्रवेश करने से रोक दिया था, जबकि राज्यपाल ने उन्हें इस संबंध में लिखित अनुमति दी थी। इसके बाद अधिकारी और एक अन्य व्यक्ति ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया और कहा कि लिखित अनुमति होने के बावजूद पुलिस ने राज्यपाल भवन में उन्हें प्रवेश नहीं दिया। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सवाल उठाया कि क्या बोस वास्तव में घर में नज़रबंद हैं और राज्यपाल के कार्यालय से अनुमति मिलने पर अधिकारी को पीड़ितों के साथ राजभवन जाने की अनुमति दी।

संक्षिप्त समाचार

35 लाख की चीनी बारिश बही..... बाकी बंदर खा गए

ऑडिट रिपोर्ट में हुआ मामले का खुलासा

अलीगढ़ । उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ की एकमात्र साथा चीनी मिल में 1100 क्विंटल चीनी के घोटाले का मामला सामने आया है। बताया गया कि तकरीबन 35 लाख की चीनी बारिश में बही और बाकी बंदर खा गए। जबकि यह चीनी मिल 26 महीने से बंद है। अब मामले में जांच रिपोर्ट आने के बाद गोदाम कीपर सहित दो पर मुकदमा दर्ज किया गया। 30 दिन में 35 लाख कीमत की 1100 कुंतल चीनी बंदरों के द्वारा खाना अभिलेखों में दर्शाया गया है। ऑडिट रिपोर्ट में यह मामला उजागर हुआ। मामले में प्रबंधक, लेखा अधिकारी सहित 6 को दोषी पाया गया। जांच रिपोर्ट में प्रभारी गोदाम कीपर और गोदाम कीपर के खिलाफ थाना जवां में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। चीनी मिल के स्टोर कीपर ने बताया कि ऑडिट टीम ने गेस्ट हाउस में बैठकर ही हवा हवाई ऑडिट किया है। जितनी चीनी कम दिखाई गई है, उतनी मात्रा में चीनी कम नहीं है। मिल के अंदर गोदाम के शटर टूटे हुए हैं। वहीं छत टूटी हुई है। छत से पानी रिसता है। वहीं बंदरों द्वारा खाने और फैलने पर गोदाम में चीनी फैली हुई है। छत से होकर बारिश का पानी नीचे आ जाता है, जिससे 528 क्विंटल चीनी कम हुई है। ऑडिट टीम द्वारा जो 1100 कुंटल चीनी कम दिखाई गई है वह गलत है। गोदाम की बिल्डिंग खराब होने और मेंटेनेंस भत्ते के बारे में कई बार जिला प्रशासन को पत्र लिखा गया है, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा समस्या का किसी प्रकार से समाधान नहीं कराया गया है। सिक्योरिटी गार्ड सहित अन्य कर्मचारियों ने बताया कि बंदरों का यहां काफी आतंक है और 2020 के बाद यहां चीनी उत्पादन नहीं हो रहा है। मिल में मेंटेनेंस भी नहीं हुआ है। चीनी कैसे कम हुई यह उन लोगों को कुछ नहीं पता है, लेकिन बंदर इतनी चीनी नहीं खा सकते है।

दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच....लोगों को धूप से बचने की सलाह

नई दिल्ली । दिल्ली में भीषण गर्मी के बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली में अपनी चेतावनी को बदलकर ऑरेंज अलर्ट से बढ़ाकर रेड अलर्ट कर दिया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि आईएमडी ने चेतावनी दी है कि अगर लोग धूप में निकलने से बचने के लिए सावधानी नहीं बरतते हैं, तब सभी उम्र के लोगों में गर्मी से होने वाली बीमारी और हीट स्ट्रोक होने की बहुत अधिक संभावना है। मौसम विभाग ने लोगों को हाइड्रेटेड रहने और सभी गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सलाह दी है, खासकर दोपहर के समय। इस बीच, मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है, जिसमें यात्रियों को सलाह दी गई है कि जब तक जरूरी न हो, बाहर न निकलें, क्योंकि इससे मौजूदा लू के बीच बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है। भारतीय मौसम विभाग ने भी आने वाले सप्ताह के लिए मौसम पूर्वानुमान जारी किया है।

सलमान खान फायरिंग मामले का आरोपी बनवारीलाल हिंडौली से गिरफ्तार

मुंबई ।(एजेंसी)

सलमान खान फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपी बनवारीलाल को हिंडौली से गिरफ्तार किया है। पुलिस उसे मुंबई ले आई है। मुंबई में ही उससे पूछताछ की जाएगी। आरोपी बनवारीलाल लटूरलाल गुर्जर ने सलमान को यूट्यूब चैनल पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम लेकर धमकी दी थी। जांच में पता चला है कि आरोपी हिंडौली इलाके के बोरदा गांव का रहने वाला है। वह कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से प्रभावित था। जांच के बाद ही यह पता चलेगा कि वह किस हद तक इस मामले में शामिल है। फिलहाल मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मुंबई पुलिस इस मामले की लगातार जांच कर रही है। साथ ही सोशल मीडिया पर लॉरेंस गैंग को फॉलो करने वालों पर भी नजर गड़ाए है। पिछली बार इस मामले में नागौर से एक गिरफ्तारी की गई थी। वहीं अब ताजा गिरफ्तारी राजस्थान में ही बूंदी जिले से हुई है।

यूपी में बीजेपी की करारी हार के.....मिल गए कारण चार

हारे सांसदों ने दिया अपना फीडबैक

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश में करारा झटका लगा है। 2019 में जहां 62 सीटें मिली थीं, वहीं 2024 में 33 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। भाजपा को उत्तर प्रदेश जैसे राज्य से 29 सीटें कम मिलने की पूरे देश में चर्चा है। अब पार्टी भी इस पर मंथन कर कुछ बड़ा एक्शन ले सकती है। अब तक पार्टी नेतृत्व को प्रत्याशियों और स्थानीय नेताओं से जो फीडबैक मिला है, उसके मुताबिक सांसदों को कर्मचारियों से सहयोग न मिलना। पार्टी कार्यकर्ताओं का ही खिलाफ हो जाना और संविधान बदलने का गलत नैरेटिव जनता के बीच चल जाना नुकसान पहुंचा गया।

इतना ही नहीं भाजपा का राज्य नेतृत्व विस्तृत रिपोर्ट भी तैयार कर रहा है। रिपोर्ट को इस सप्ताह के अंत तक हाईकमान को सौंपा जाएगा। बात दे कि भाजपा ने यूपी में हार के कारणों की विस्तृत पड़ताल के लिए एक टास्क फोर्स का भी गठन किया है। टास्क फोर्स को सूबे की 78 सीटों की समीक्षा का काम सौंपा गया है। सिर्फ पीएम नरेंद्र मोदी की सीट वाराणसी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की सीट लखनऊ की यह टास्क फोर्स समीक्षा नहीं करेगी। इसके अलावा सूबे की बाकी सभी 78 सीटों की समीक्षा की जाएगी।

भाजपा को सबसे ज्यादा हैरानी अमेठी, फैजाबाद (अयोध्या वाली सीट), बलिया और सुल्तानपुर जैसी सीटों पर हार से है। इन सीटों को भाजपा के लिए मजबूत गढ़ माना जाता था। अमेठी में स्मृति इरानी की कांग्रेस के एक आम कार्यकर्ता से हार ने पूरे नैरेटिव को चोट पहुंचा दी है। इसके अलावा अयोध्या की हार भी कान खड़े करने वाली है। सुल्तनापुर में मेनका गांधी ही चुनाव हार गईं, जो लगातार जीतती रही हैं। भाजपा को उस सीट पर हारना पड़ गया, जहां ऐतिहासिक राम मंदिर बना है। 500 सालों के इतिहास का चक्र जिस अयोध्या में घूमा, वहां ऐसी हार ने भाजपा को हैरान कर दिया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भाजपा को आरएसएस और उसके आनुषांगिक संगठनों से भी फीडबैक मिलेगा।

जयपुर राजपरिवार के सदस्य पद्मनाभ सिंह का लंदन में कार एक्सीडेंट

बेटे से मिलने लंदन पहुंची डिप्टी सीएम दीया कुमारी

जयपुर ।(एजेंसी)

राजस्थान के पूर्व जयपुर राजपरिवार के सदस्य और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के बेटे पद्मनाभ सिंह का एक्सीडेंट हो गया है। पद्मनाभ अपने पिता नरेंद्र सिंह और बहन गौरवी कुमारी के साथ छुट्टियां बिताने के लिए पिछले कुछ दिनों से लंदन गए हुए हैं। लंदन में हुए कार एक्सीडेंट में पद्मनाभ घायल हो गए। एक्सीडेंट के दौरान कार में पद्मनाभ के साथ पिता नरेंद्र और बहन गौरवी भी थीं। हादसे में पद्मनाभ को चोट लगी लेकिन नरेंद्र और गौरवी सुरक्षित हैं। लंदन के एक अस्पताल में पद्मनाभ सिंह की सर्जरी हुई है। बेटे से मिलने के लिए दीया कुमारी भी लंदन पहुंच गई हैं। हादसा कुछ दिन पहले हुआ था लेकिन इसकी जानकारी किसी को नहीं दी गई। दीया कुमारी ने भी हादसे की जानकारी साझा नहीं की और अपने बेटे से मिलने के लिए लंदन गई। मुख्यमंत्री के अध्यक्षता में होने वाली बैठकों से भी दीया कुमारी शामिल नहीं हो पा रही हैं। अब यह जानकारी सामने आई हैं कि वे राजस्थान में नहीं बल्कि लंदन गई है। लंदन के अस्पताल में पद्मनाभ सिंह की सर्जरी हुई है और अब वे ठीक हैं। उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

पद्मनाभ सिंह: पूर्व राजपरिवार सदस्य पद्मनाभ सिंह जाने माने पोलो खिलाड़ी हैं। उन्होंने पोलो खिलाड़ी के रूप में अपने करियर की शुरुआत वर्ष 2015 में लंदन से की थी। वे लंदन के विंडसर में गार्ड्स पोलो क्लब के सदस्य बने थे। बाद में उन्होंने 2017 में हर्लिंगम पार्क की ऐतिहासिक यात्रा में भारतीय नेशनल टीम की कमान संभाली थी। पद्मनाभ से पहले उनके नाना भवानी सिंह भी भारतीय टीम का नेतृत्व कर चुके हैं। हाल ही में पद्मनाभ अपनी बहन गौरवी के साथ स्कॉटलैंड के ड्रमंड कैसल में हुए डियोर क्रूज शो में शामिल हुए थे।

सुरक्षा बलों ने पहले नारायणपुर में 8, अब पश्चिमी सिंहभूम में 4 नक्सलियों को किया ढेर

पश्चिमी सिंहभूम।(एजेंसी)

झारखंड और छत्तीसगढ़ में नक्सलियों का सफाया किया जा रहा है। दहशत मुक्त अभियान में जुटे सुरक्षा बल के जवानों ने आज सुबह सुबह झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में 4 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इससे पहले छत्तीसगढ़ में 48 लाख के ईनामी कंमाडर सहित 8 नक्सलियों को सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में मार गिराया है। नक्सल प्रभावित गुवा थाना क्षेत्र के जंगल में इस मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में एक महिला नक्सली भी शामिल है। मारे गये नक्सलियों में एक जोनल कमांडर, एक एरिया कमांडर और एक सबजोनल कमांडर के अलावा एक महिला नक्सली भी शामिल है। सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को गिरफ्तार करने में भी कामयाबी हासिल की है, जिसमें एक एरिया कमांडर और एक महिला नक्सली शामिल है। एसपी आशुतोष शेखर ने मुठभेड़ की घटना की पुष्टि किया है। क्षेत्र में सुरक्षा बलों का सर्च अभियान जारी है।

छह नक्सलियों पर था 48 लाख का इनाम

दो दिन पहले सुरक्षाबलों ने छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में मुठभेड़ में आठ नक्सलियों को मार गिराया था। अब इस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आठ में से छह नक्सली वरिष्ठ रैंक के कैडर थे और इन पर 48 लाख रुपये का इनाम था। पुलिस के मुताबिक ये कैडर नक्सलियों की पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी मिलिट्री कंपनी नंबर 1 और माड डिवीजन सप्लाई टीम फॉर्मेशन के थे। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि नारायणपुर पुलिस के माड़ बचाओ अभियान के एक सप्ताह के अंदर यह दूसरी बड़ी सफलता है और 45 दिनों में चौथी बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा नारायणपुर जिले का अबूझमाड़ 40 वर्षों से नक्सली हिंसा और भय से ग्रस्त था, लेकिन अब स्थानीय लोग, आदिवासी और ग्रामीण इस हिंसा, भय और नक्सलवाद से मुक्त होना चाहते हैं। सफल नक्सल विरोधी अभियानों से विकास को गति मिल रही है।

एक जवान शहीद दो घायल

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस महीने की 12 तारीख को जिले के अबुझमाड़ क्षेत्र में स्थित कुतुल, फरसबेड़ा और कोड़तामेटा गांव के जंगल में नक्सल विरोधी अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि अभियान में नारायणपुर-कोण्डागांव-कांकेर-दन्तेवाड़ा जिले का डीआरजी, विशेष कार्य बल और भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के 53वीं वाहिनी का बल शामिल है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आज सुबह से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है, इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने आठ नक्सलियों को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि इस घटना में सुरक्षाबल का एक जवान शहीद हुआ है तथा दो अन्य जवान घायल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज वाराणसी में, दो दिन यहां रहेंगे

वाराणसी ।(एजेंसी)

देश की बागडोर लगातार तीसरी बार संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल मंगलवार को काशी पहुंचेंगे। 18वीं लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद 18 जून से उनका दो दिवसीय वाराणसी दौरा होगा। प्रधानमंत्री सेवापुरी विधानसभा स्थित मेंहदीगंज में किसान सम्मान सम्मेलन को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। साथ ही दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में शामिल होंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पीएम किसान सम्मान निधि की लगभग 20,000 करोड़ की 17 वीं क़िस्त जारी करेंगे और स्वयं सहायता समूहों की 30 हजार से अधिक महिलाओं को सर्टिफिकेट भी देंगे। भारतीय जनता पार्टी ने किसान सम्मेलन में 50 हजार किसानों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बीजेपी कार्यकर्ता उनके भव्य स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शाम लगभग 3:30 बजे आएंगे। वहां से मेंहदीगंज जनसभा स्थल पर हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। प्रधानमंत्री किसानों की जनसभा को सम्बोधित करेंगे। प्रधानमंत्री डीबीटी के माध्यम से लगभग 20 हजार करोड़ की किसान सम्मान निधि लगभग 9. 26 करोड़ लाभार्थी किसानों के खाते में ट्रांसफर करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं सहायता समूह की 30,000 महिलाओं को प्रमाण पत्र भी देंगे। चुनाव जीतने और प्रधानमंत्री पद की हैट्रिक लगाने के बाद एक बार फिर मंगलवार को वे बाबा विश्वनाथ के दरबार में शीश नवाएंगे, साथ ही दशाश्वमेध पर माँ गंगा का दर्शन-आरती में भी शामिल होंगे।

नासा कर रहा सुपर स्टार समूह पर अध्ययन

वाशिंगटन । नासा के चंद्र एक्स-रे ऑब्जरवेटरी और नासा के दूसरे टेलीस्कोप से मिले नए डेटा के की मदद से पृथ्वी के सबसे बड़े और सबसे करीब सुपर स्टार समूह पर वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं। ग्रुप को वेस्टरलंड 1 नाम दिया गया है। इन अध्ययनों की मदद से खगोलविदों को तारों के निर्माण की प्रकिया को समझने में मदद मिलेगी। यह एक्सटेंडेड वेस्टरलंड 1 और 2 ओपन क्लस्टर सर्वे (इकोस्स) नाम की परियोजना से पहला सार्वजनिक रूप से जारी किया डाटा है। इकोस्स का नेतृत्व में इटली के पलेर्मो में स्थित एक संस्थान कर रही है। चंद्र ऑब्जरवेटरी ने इकोस्स के हिस्से के रूप में वेस्टरलंड 1 का लगभग 12 दिनों तक अध्ययन करने के बाद यह डाटा साझा किया है। नई तस्वीर में चंद्र का डाटा और नासा के हबल स्पेस टेलीस्कोप से पिछला डाटा शामिल है। चंद्र के एक्स-रे से क्लस्टर में नए तारे और गैसों का पता चलता है। युवा तारे ज़्यादातर सफ़ेद और गुलाबी रंग के दिखाई देते हैं, जबकि गर्म गैस गुलाबी, हरे और नीले रंग में दिखाई देती है। हबल के डेटा में कई तारे पीले और नीले रंग के डॉट्स के रूप में दिखाई देते हैं। एक दिलचस्प खोज यह है कि वेस्टरलंड 1 के केंद्र में चार प्रकाश वर्ष के दायरे में 1,075 तारे हैं। खगोलविदों का मानना है कि यह क्लस्टर के गठन और विकास को समझने और इसके मास का बेहतर अनुमान लगाने के लिए जरूरी है।

क्या होते हैं सुपर स्टार क्लस्टर?

वर्तमान में, हमारी गैलेक्सी में हर साल केवल कुछ ही तारे बनते हैं। हालाँकि, अतीत की बात करे तब मिल्की-वे लगभग 10 बिलियन साल अपने चरम पर था जब यहां हर साल दर्जनों या सैकड़ों तारे बनते थे। इसमें से ज़्यादातर घटनाएं विशाल क्लस्टर्स में हुईं, जिन्हें सुपर स्टार क्लस्टर के नाम से जाना जाता है। इन्हीं में से एक को वेस्टरलंड 1 नाम दिया गया है। ये क्लस्टर औरों की तुलना में नए हैं और इनका वजन सूरज के वजन से 10,000 गुना ज़्यादा है। वेस्टरलंड 1, 3 मिलियन से 5 मिलियन साल पुराना है। वेस्टरलंड 1 मिल्की वे में बचा हुआ सबसे बड़ा सुपर स्टार क्लस्टर है। यह पृथ्वी से सबसे करीबी, लगभग 13,000 प्रकाश वर्ष दूर है।

एलियन ममी मामले में विवाद गहराया, अमेरिकी और यूरोपीय वैज्ञानिकों से पुष्टि करवाने के प्रयास

लीमा। एलियन ममी का विवाद अब बढ़ता जा रहा है और इसके समर्थन और विरोध कमे में दो दल बन गये हैं। ये सारा विवाद पेरू में मिले दो एलियन के शवों से उठा है। मैक्सिकन का एक व्यक्ति एलियन के शवों पर कब्जे के साथ ही उनकी प्रामाणिकता के लिए अमेरिकी और यूरोपीय वैज्ञानिकों से पुष्टि करवाने के प्रयास में लगा है। वहीं वहीं बहुत से पुरातत्वविद, इतिहासकार और विशेषज्ञ इन शवों को लेकर उससे सहमत नहीं हैं। पुरातत्वविदों को डर है कि एलियन के बताये जा रहे शव कब्रों पर हमला करने वालों द्वारा खोदे गए प्राचीन मानव हो सकते हैं। यूएफओ शोधकर्ता जैमे मौसन ने कहा है कि अधिक गहन 'विश्लेषण किए जा रहे हैं' और वह पेरू की सरकार पर शवों को अमेरिका में अधिक उन्नत प्रयोगशालाओं में भेजने के अधिकार के लिए मुकदमा कर रहे हैं। जैमे, जिनके शोध ने लगभग एक दशक तक विवाद खड़ा किया है, ने यह विचार पेश किया है कि ममियाँ एलियन-मानव 'हाइब्रिड' हो सकती हैं, उनके वैज्ञानिक सहयोगियों ने घोषणा की है कि नए नमूनों में '30 फीसदी अज्ञात' डीएनए है। वहीं आलोचक उनके दावों पर संदेह जताते रहते हैं। लैटिन अमेरिकी इतिहासकार क्रिस्टोफर हेनी ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं है कि वे मानव जैसे हैं। उन्हें लगता है कि वे मानव हैं।' वहीं जैमे और उनके सहयोगियों ने स्पष्ट रूप से विदेश में व्यापक वैज्ञानिक रुचि के लिए जोर दिया है वे मेक्सिको की कांग्रेस के समक्ष एक विवादास्पद प्रस्तुति कर चुके है और उनका पेरू के संस्कृति मंत्रालय के साथ टकराव भी हो चुका है। जैमे का अपने आलोचकों के साथ टकराव पिछले अप्रैल में अपने सबसे गर्म क्षण पर पहुंच गया जब पेरू में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस ने प्रदर्शन पर रखे गए नए ममीकृत शवों में से एक को जब्त करने के इरादे से छापा मारा, जिसे 'मोंटसेराट' कहा जाता है। इस मामले में, '300 मिलियन डॉलर का मुकदमा पहले ही चल चुका है।'

रेफ्रिजरेटेड ट्रक में दम घुटने से आठ लोगों की मौत

झेंग्झौ । चीन के हेनान प्रांत में एक रेफ्रिजरेटेड ट्रक में दम घुटने से आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि आठ लोग वाहन के इंसुलेटेड डिब्बे में थे, जो नियमों के खिलाफ था। पुलिस ने कहा कि जब वाहन येक्सियन काउंटी के होंगझुआंगयांग टाउनशिप में एक गैस स्टेशन पर पहुंचा तब वे बेहोश पाए गए। जिसके बाद उन्हें अस्पताल भेजा गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वाहन चालक और संबंधित जिम्मेदार कर्मियों को हिरासत में लिया गया है, और मामले के कारणों की जांच की जा रही है।

वियनताम में बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत

हनोई । वियतनाम के दक्षिणी प्रांत एन गियांग में बिजली के झटके से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हुई। पीड़ितों की पहचान चाऊ फु जिले में रहने वाला 51 वर्षीय व्यक्ति, उसकी 45 वर्षीय पत्नी और सात वर्षीय पुत्री के तौर पर हुयी। रविवार को अपराह्न में पीड़ितों के घर के बगल में रहने वाले एक रिश्तेदार ने उन्हें मृत पाया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

हज यात्रियों ने अदा की हज की अंतिम रस्में, लू से 14 श्रद्धालुओं की मौत

मीना । सऊदी अरब में भीषण गर्मी के बीच बड़ी संख्या में हज यात्रियों ने शैतान को प्रतीकात्मक रूप से पत्थर मारने की रस्म अदा की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हज यात्रा के दौरान जॉर्डन के 14 श्रद्धालुओं की लू लगने से मृत्यु हो गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह सऊदी अरब में मृतकों को दफनाने या शव को जॉर्डन भेजने के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है। शैतान को प्रतीकात्मक रूप से पत्थर मारने की रस्म हज यात्रा के अंतिम दिनों में विश्वभर के मुस्लिमों के लिए ईद-उल-अजहा की शुरुआत का प्रतीक है। शैतान को पत्थर मारना इस्लाम के पांच स्तंभों और हज की अंतिम रस्मों में से एक है। यह रस्म पवित्र शहर मक्का के बाहर अराफात की पहाड़ी पर 18 लाख से अधिक हज यात्रियों के एकत्र होने के एक दिन बाद हुई, जहां हज यात्री हज की वार्षिक पांच दिवसीय रस्में पूरी करने आते हैं।

यूक्रेन का दावारूस ने तेज किए सैन्य हमले

कीव। रुस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के बीच यूक्रेन ने दावा करते हुए कहा कि जब स्विट्जरलैंड में शांति सम्मेलन चल रहा था तो रूस ने यूक्रेन पर अपने सैन्य हमले तेज कर दिए। शांति सम्मेलन रविवार को समाप्त हो गया। यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने रविवार शाम अपनी रिपोर्ट में कहा, पूरे दिन रूस ने यूक्रेन पर तेज हमला जारी रखा, हमारे डिफेन्स में सेंध लगाने की कोशिश की और हमारी इकाइयों को हमारे ठिकानों से हटाने की कोशिश करता रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 25 हमलों को विफल कर दिया गया लेकिन 11 अभी भी जारी हैं। इसमें कहा गया है कि रूसी सेना आगे बढ़ने का प्रयास कर रही है, खासकर पोक्रोवस्क शहर के पास। कहा जाता है कि रूसी सेना ने उत्तर और दक्षिण में मोर्चे पर यूक्रेनी ठिकानों पर हमला करने के 10 प्रयास किए, लाइमन क्षेत्र और कुराखोव के आसपास। रिपोर्ट में कहा गया, मॉस्को की वायु सेना ने रक्षा ठिकानों पर भारी बमबारी की।हालांकि इस जानकारी की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है। पिछली सर्दी से ही यूक्रेन हथियारों और गोला-बारूद के अभाव में कमजोर स्थिति में है।

मक्का में हज यात्रा के दौरान मस्जिद की सेटेलाइट के जरिये ली गयी एक तस्वीर।

गाजा में युद्ध रोकने का अमेरिका ने दिया सुझाव

वॉशिंगटन । इजरायल और गाजा के बीच चल रहे युद्ध को रोकने के लिए जारी प्रयासों के बीच अमेरिका ने शांति का सुझाव दिया है। अमेरिका राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल और गाजा के युद्ध को देखते हुए अपने मुस्लमानों को देने वाले संदेश का इस्तेमाल किया।जो बाइडेन ने मुसलमानों को ईद अल-अधा संदेश दिया। उन्होंने कहा, यह हमास और इजरायल के बीच युद्ध की भयावहता से पीड़ित नागरिकों की मदद करने का युद्धविराम समझौते सबसे अच्छा तरीका था। बाइडेन ने आगे अपने इजरायल और हमास के युद्ध को लेकर कहा, बहुत से निर्दोष लोग मारे गए हैं, जिनमें हजारों बच्चे भी शामिल हैं। परिवार अपने घरों से भाग गए हैं और उन्?होंने अपने समुदायों को नष्ट होते देखा है। जानकारी के लिए बता दें कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने इजरायल और हमास पर पिछले हफ्ते युद्धविराम समझौते को लिए औपचारिक रूप से स्वीकार करने के लिए दबाव डाला है, जिससे लड़ाई को शुरुआती छह सप्ताह के लिए रोका जा सकेगा। ये उन्होंने सुरक्षा परिषद के सदस्यों की तरफ से युद्धविराम को लेकर हरी झंडी दिखाने के बाद किया है। वहीं राष्ट्रपति जो बाइडेन ने म्यांमार में रोहिंग्या और चीन में उइगर सहित उत्पीड़न का सामना कर रहे अन्य मुस्लिम समुदायों के अधिकारों की वकालत करने की अपनी कोशिश पर भी बात की। उन्होंने कहा, हम सूडान में भीषण संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान लाने के लिए भी काम कर रहे हैं। जो अप्रैल 2023 से देश की सेना और दुश्मन के बीच लड़ाई की चपेट में है।

भारत ने नहीं किए यूक्रेन में शांति दस्तावेज पर दस्तखत, रूस और चीन ने बनाई दूरी

बेर्न (एजेंसी)। भारत समेत कुछ देशों ने यूक्रेन में शांति के लिए स्विट्जरलैंड द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए। अपने संक्षिप्त संबोधन में भारत के वरिष्ठ राजनयिक ने कहा कि शांति शिखर सम्मेलन में भारत भागीदारी और यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित वरिष्ठ अधिकारियों की कई पूर्व बैठकें हमारे स्पष्ट और सुसंगत दृष्टिकोण के अनुरूप हैं कि स्थायी शांति केवल बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है। भारत ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए रूस और यूक्रेन के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) पवन कपूर ने स्विस रिसॉर्ट बर्गेनस्टॉक में आयोजित शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें कई राष्ट्राध्यक्षों सहित 100 से अधिक देशों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत का मानना ??है कि इस तरह के समाधान के लिए संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों के बीच ईमानदारी और व्यावहारिक भागीदारी की आवश्यकता है। मंत्रालय ने कहा, इस संबंध में, भारत सभी हितधारकों के साथ-साथ दोनों पक्षों के साथ बातचीत जारी रखेगा, ताकि शीघ्र और स्थायी शांति लाने के लिए सभी गंभीर प्रयासों में योगदान दिया जा

सके। स्विट्जरलैंड के विदेश मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि 83 देशों और संगठनों ने यूक्रेन में शांति पर उच्च स्तरीय सम्मेलन के अंत में संयुक्त बयान को मंजूरी दी। शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भविष्य की शांति प्रक्रिया को प्रेरित करना था। रूस को शिखर सम्मेलन में आमंत्रित नहीं किया गया था, जबकि चीन ने इसमें शामिल नहीं होने का फैसला किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने शिखर सम्मेलन के उद्घाटन और समापन पूर्ण सत्र में भाग लिया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत ने इस शिखर सम्मेलन से जारी होने वाले किसी भी विज्ञप्ति या दस्तावेज से खुद को संबद्ध नहीं किया है। मंत्रालय ने बयान में कहा, सम्मेलन में भारत की भागीदारी, साथ ही यूक्रेन के शांति फार्मूले पर आधारित पूर्ववर्ती एनएसए या राजनीतिक निदेशक स्तर की बैठकों में भागीदारी, संवाद और कूटनीति के माध्यम से संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान को सुगम बनाने के हमारे सतत दृष्टिकोण के अनुरूप है।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन का विमान जापान जाते समय खराब हुआ

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन को जापान ले जा रहा न्यूजीलैंड रक्षा बल का विमान रविवार को खराब हो गया, जिसके कारण प्रधानमंत्री को वाणिज्यिक उड़ान लेनी पड़ी, सोमवार को उनके कार्यालय ने इसकी पुष्टि की। लक्सन जापान में चार दिन बिता रहे हैं, जहां उनके जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से मिलने और न्यूजीलैंड के व्यापार को बढ़ावा देने में समय बिताने की उम्मीद है।

पन्नू की हत्या कराने की साजिश के आरोपी निखिल गुप्ता को अमेरिका पहुंचाया

बीजिंग । खालिस्तानी आतंकवादी और अमेरिकी नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नुन की अमेरिकी धरती पर हत्या की साजिश में आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है, समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने फेडरल ब्यूरो प्रिजन्स वेबसाइट और मामले से परिचित एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी।

रविवार (16 जून) को ब्यूरो ऑफ प्रिजन्स वेबसाइट पर कैदी के नाम से खोज करने पर पता चला कि 52 वर्षीय गुप्ता को ब्रुकलिन के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है, जो एक संघीय प्रशासनिक हिरासत केंद्र है। इसके अलावा, एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर रॉयटर्स से स्वतंत्र रूप से गुप्ता के प्रत्यर्पण और ब्रुकलिन में उनकी हिरासत की पुष्टि की। उसे सोमवार को न्यूयॉर्क में एक संघीय अदालत के समक्ष पेश किए जाने की उम्मीद है।

पिछले महीने, एक चेक अदालत ने अमेरिका भेजे जाने से बचने के लिए निखिल गुप्ता की याचिका को खारिज कर दिया, जिससे चेक न्याय मंत्री के लिए उसे प्रत्यर्पित करने का रास्ता साफ हो गया।

गुप्ता को पिछले साल 30 जून को चेक गणराज्य में गिरफ़्तार किया गया था, इस आधार पर कि हत्या की साज़िश में उनकी संलिप्तता के बारे में अमेरिका ने आरोप लगाया था। अमेरिकी संघीय अभियोजकों के अनुसार, गुप्ता को एक अमेरिकी नागरिक की हत्या के लिए एक हत्यारे को नियुक्त करने की साज़िश में फंसाया गया था, जो कथित तौर पर एक भारतीय सरकारी अधिकारी के निर्देश पर किया गया था। लक्ष्य की पहचान पन्नू के रूप में की गई थी।

निखिल गुप्ता का प्रत्यर्पण अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन की वार्षिक ICET वार्ता के लिए नई दिल्ली की यात्रा से पहले हुआ है। उम्मीद है कि सुलिवन अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल के समक्ष इस मामले को उठाएंगे।भारत ने पन्नू की हत्या की साजिश में अपनी संलिप्तता से इनकार किया है और अमेरिका के आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की है। निखिल गुप्ता ने भी अपने वकील के माध्यम से आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि उन पर ÷अनुचित आरोप÷ लगाए गए हैं। गुरपतवंत सिंह पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है और वह आतंकवाद के आरोपों में भारत में वांछित है।

पाकिस्तान सरकार ने इमरान की पार्टी को चेताया, राष्ट्र विरोधी गतिविधि बंद करें

हार्वर्ड (एजेंसी)। इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी से 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियां एवं दुष्प्रचार' को बंद करने की अपील करते हुए सरकार ने चेतावनी दी है कि वह मित्र देशों के साथ संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर राष्ट्र विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कानूनी मामलों के प्रवक्ता अकील मलिक ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) विदेशों में जिस तरह पाकिस्तान विरोधी गतिविधि चला रही है, पूर्व में वैसी कोई मिसाल नहीं मिलती।

उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान एक स्वतंत्र देश है और किसी दूसरे देश से वह निर्देशनहीं लेता। हम सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं। हालांकि, 2022 के अविश्वास प्रस्ताव के बाद से विदेशों में पाकिस्तान के खिलाफ बदनामीकारक अभियान शुरू हो गया है, जिसने पाकिस्तान विरोधी दुष्प्रचार को बढ़ावा दिया है।' मलिक ने आरोप लगाया कि पीटीआई ने दूसरे देशों में पाकिस्तान विरोधी अभियान को बढ़ावा देने के लिए लामबंदी करने वालों और जनसंपर्क कंपनियों को काम पर रखा है।

इसके साथ ही पार्टी को चेतावनी दी कि सरकार मित्र देशों के साथ पाकिस्तान के संबंधों को नुकसान पहुंचाने के प्रयास में सोशल मीडिया पर देश विरोधी अभियान चलाने में शामिल लोगों पर शिकंजा कसेगी। खबर में कहा गया है कि प्रवक्ता ने पीटीआई से आग्रह किया कि वह अपनी 'राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और दुष्प्रचार' को छोड़ दे तथा वैश्विक मंचों पर देश के हितों को नुकसान पहुंचाने के बजाय समाधान पर विचार करने के लिए राजनीतिक मुद्दों पर सरकार के साथ बातचीत करे।

ट्रंप की वापसी के डर से विकसित देश डब्ल्यूटीओ समझौते पर कर रहे जल्दबाजी

जिनेवा (एजेंसी)। विकसित देशों को डर सता रहा है कि डॉनल्ड ट्रंप इस साल नवंबर में अमेरिका के राष्ट्रपति बन गए तो डब्ल्यूटीओ की गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। भारत इन देशों के से किसी प्रयास का हिस्सा नहीं बनना चाहता है। जिनेवा में भारत के एक व्यापार राजनयिक ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया, 'अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, नॉर्वे, स्विटजरलैंड, सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया ई-कॉमर्स और मछुआरों को सब्सिडी दिए जाने से जुड़े मसलों पर सहमति बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

भारत का कहना था कि मछुआरों को सब्सिडी पर कोई व्यापक समझौता समान परंतु विभेदित उत्तरदायित्व के सिद्धातों (सीबीडीआर-आरसी) पर आधारित होना चाहिए। भारत का कहना है कि विकासशील देशों में मछुआरों को विशेष आर्थिक क्षेत्रों (उनके अधिकार वाले जल से 200 नॉटिकल मील तक) में मछली पकड़ने के लिए सब्सिडी की व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। भारत का यह भी कहना रहा है कि इस सीमा से बाहर मछली पकड़ने के लिए विकसित देशों को अपने मछुआरों को अगले 25 वर्षों तक किसी प्रकार की सब्सिडी नहीं देनी चाहिए।

मगर फिलहाल हालात ऐसे नहीं दिख रहे हैं क्योंकि अब तक कोई दस्तावेज भी नहीं सौंपा गया है। इन देशों को लगता है कि अगर ट्रंप अमेरिका के अगले राष्ट्रपति बने तो उनके कार्यकाल में डब्ल्यूटीओ कमजोर हो जाएगा। इस डर के कारण वे नवंबर से पहले किसी न किसी तरह सहमति कायम कर लेना चाहते हैं।' नवीनतम आंकड़ों एवं सर्वेक्षणों के अनुसार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने की दौड़ में ट्रंप मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन से आगे निकलते दिख रहे हैं। शुक्रवार को जी-7 समूह के नेताओं ने इटली में सम्मेलन के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि वे डब्ल्यूटीओ में नियम आधारित, स्वतंत्र एवं निष्पक्ष, समान एवं पारदर्शी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के प्रति कटिबद्ध हैं।बयान में कहा गया, 'हम ई-कॉमर्स पर पर संयुक्त वक्तव्य पहल की दिशा में काम करने का मजबूत इरादा रखते हैं। हम दुनिया में मछली पकड़ने पर दी जाने वाली सब्सिडी पर एक महत्त्वाकांक्षी एवं व्यापक समझौते के पक्षधर हैं।' ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति थे तो उन्होंने डब्ल्यूटीओ को कमजोर और अनुचित व्यवस्था करार दिया था। उन्होंने इस वैश्विक संस्था से अमेरिका के हटने की भी धमकी तक दे डाली थी। उन्होंने डब्ल्यूटीओं की अपील इकाई में नई नियुक्तियों का रास्ता भी बंद कर दिया था जिसके बाद इस संस्था में विवाद सुलझाने की व्यवस्था बाधित हो गई।

राजनियक ने कहा कि भारत हमेशा से अपने हितों को देखते हुए कदम बढ़ाता आया है और दूसरे देशों की कवायद को स्वयं पर हावी होने नहीं दिया है। उन्होंने कहा, 'मछुआरों को

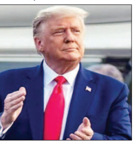

सब्सिडी दिए जाने के विषय पर हमारा रुख अब भी वही है जो पहले था। जहां तक ई-कॉमर्स जेएसआई की बात है तो हम इनका हिस्सा नहीं हैं बल्कि पर्यवेक्षक मात्र हैं।' इन विषयों पर वाणिज्य मंत्रालय को भेजे गए ई-मेल का समाचार लिखे जाने तक जवाब नहीं आया था। अबू धाबी में डब्ल्यूटीओ की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक (एमसी13) में डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों के बीच मछुआरों को दी जाने वाली सब्सिडी पर सहमति नहीं बन पाई थी। मछुआरों की सब्सिडी मिलने से मछली उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलती है।

आंतरिक कोर की घूर्णन में परिवर्तन से दिन 24 घंटे से भी लंबे

-वैज्ञानिकों का दावा प्रक्रिया 2010 में हुई शुरु

कैलिफोर्निया (एजेंसी)। सभी जानते हैं कि 24 घंटे में एक बार दिन और एक बार रात होती है। अब वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर दिन की अवधि को लेकर बड़ा दावा किया है। एक शोध के मुताबिक धरती के आंतरिक कोर की घूर्णन गति कम हो रही है। इसका प्रभाव पृथ्वी की घूर्णन गति पर भी पड़ेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रक्रिया 2010 से ही शुरू हो गई है और अब दिन की अवधि पहले से ज्यादा हो गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आंतरिक कोर की घूर्णन में परिवर्तन से दिन 24 घंटे से भी लंबे हो सकते हैं।

बता दें कि पृथ्वी की आंतरिक कोर एक ठोस स्फेयर है जो कि लोहे और निकेल से बनी है। वहीं इसके चारों ओर पिघली हुई धातुयें बेहद गर्म और तरल अवस्था में मौजूद हैं। पृथ्वी की 3 लेयर में मैंटल और क्रस्ट शामिल हैं। वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आंतरिक कोर के बारे में जानकारी सीस्मिक तरंगों के जरिए मिलती है। भूकंप के वक्त रिकॉर्ड किए गए कंपन से यह अध्ययन किया गया है।

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के नेचर जर्नल में छपे शोध में बताया गया है कि अगर यही ट्रेंड बरकरार रहता है तो दिन की अवधि बदल जाएगी। इसमें सेकंड के एक हिस्से का फर्क आना शुरू हो जाएगा जो कि लगातार बढ़ता ही रहेगा। शोधकर्ताओं में शामिल प्रोफेसर जॉन विडाले ने कहा कि पहले जब मुझे यह पता चला तो मैं खुद अचंभित रह गया, लेकिन जब पता चला कि 2 दर्जन ऐसे ही सिग्नल और पाए गए हैं तो यकीन हो गया कि इनर कोर में परिवर्तन हो रहा है। कई दशकों बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब इनर कोर के घूर्णन में परिवर्तन पाया गया है। धरती के इनर कोर को लेकर कई तरह की बहस चलती रहती है। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पृथ्वी की घूर्णन गति से ज्यादा तेजी से घूमती है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि मैग्नेटिक फील्ड की वजह से इसका घूर्णन धरती के घूर्णन से कम होता है। हालांकि इस बात से कोई इनकार नहीं करता है कि इनर कोर से बैकट्रैकिंग होती है और इसका असर धरती की घूर्णन गति पर भी पड़ता है। 40 साल में पहली बार पाया गया है कि इनर कोर की घूर्णन गति मैंटल से कम है।

एक अन्य स्टडी में कहा गया था कि ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से पहाड़ों के ग्लैशियर और अंटार्कटिका की बर्फ तेजी से पिघल रही है और इसकी वजह से भी पृथ्वी का घूर्णन धीमा हो रहा है।

इसी वजह से दिन लंबे होते जा रहे हैं। रिसर्च में कहा गया था कि इस इफेक्ट को कम करने के लिए धरती की तरल वाली लेयर भी धीमी हो रही है। वहीं ठोस लेयर की गति तेज हो गई है। शोध में कहा गया था कि दिन की मियाद में कुछ लीप सेकंड ही जोड़े जा सकते हैं। 1972 के बाद से कुछ सालों में लीप सेकंड जोड़ने पड़ते हैं। इससे पता चलता है कि पृथ्वी हमेशा एक ही गति से नहीं घूमित है। बता दें कि वैज्ञानिक आंतरिक कोर के घूर्णन पर लगातार नजर रखते हैं। यह पृथ्वी का वह हिस्सा है जो कि 5 हजार 500 डिग्री सेल्सियस तक गर्म रहता है। वहीं यह हिस्सा हमारे पैरों से करीब 3 हजार मील दूर है। इंसान चांद का सफर तो कर चुका है लेकिन पृथ्वी के इस हिस्से तक पहुंचना अब भी नामुमकिन है।

संपादकीय

मंगल पर यूपी-बिहार

अब मंगल पर भी दो स्थान हैं, जिनका नामकरण उत्तर प्रदेश के शहर मुरसान और बिहार के शहर हिल्सा के नाम पर रखा गया है। अहमदाबाद स्थित भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) ने यह नामकरण पहले ही कर लिया था। मंगल पर इन जगहों की खोज-पड़ताल का काम साल 2021 में ही कर लिया गया था। नामकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ (आईएयू) के पास प्रस्ताव पिछले महीने की शुरुआत में भेजा गया था और जिसे अनुमोदन मिल गया है। पीआरएल ने कहा है कि तीन क्रेटर या गड्ढे लाल ग्रह मंगल पर थारिस ज्वालामुखी क्षेत्र में स्थित हैं, जो मंगल के पश्चिमी गोलार्द्ध में भूमध्य रेखा के पास केंद्रित एक विशाल ज्वालामुखी पठार है। खास बात यह है कि यह क्षेत्र सौर मंडल के सबसे बड़े ज्वालामुखियों के घर के रूप में भी जाना जाता है। ऐसे स्थान पर मुरसान और हिल्सा के साथ ही लाल नाम की जगह भी अब चर्चा में रहेगी। लाल नाम पीआरएल के प्रसिद्ध पूर्व निदेशक देवेंद्र लाल के नाम पर रखा गया है। वास्तव में, यह नामकरण वैज्ञानिक देवेंद्र लाल को भी सच्ची श्रद्धांजलि की तरह है। वैसे यह अभी रोचक सवाल ही है कि मंगल पर मुरसान और हिल्सा नामकरण क्यों किया गया है? यहां यह जान लेना चाहिए कि मुरसान उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में स्थित है, जबकि हिल्सा बिहार के नालंदा जिले में मौजूद है। अहमदाबाद स्थित अनुसंधान प्रयोगशाला के निदेशक अनिल भारद्वाज के मुताबिक, लाल क्रेटर सबसे चौड़ा है, करीब 65 किलोमीटर चौड़ा, जबकि आसपास स्थित मुरसान और हिल्सा दस-दस किलोमीटर चौड़े हैं। मंगल पर मौजूद इन गहरे गड्ढों में कभी पानी हुआ करता था, शायद ज्वालामुखी की वजह से पानी सूख गया, लेकिन वैज्ञानिक मंगल पर पानी की खोज में निरंतर लगे हुए हैं। यह तो अब साबित हो चुका है कि किसी दौर में मंगल पर पानी बहा करता था। मंगल को धरती से देखते हुए या मंगलयान से खींची गई तस्वीरों की मदद से अध्ययन काफी आगे बढ़ चुका है और वैज्ञानिक मंगल के पोर-पोर को खंगालकर अपने-अपने हिसाब से नामकरण कर रहे हैं, जिसे अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संघ मंजूरी दे रहा है। मंगल के अध्ययन का काम भारत में भी तेजी से हो रहा है और 'लाल', 'मुरसान' और 'हिल्सा' जैसे नाम इसके ताजा प्रमाण हैं। इस मुकाम पर अपने मंगलयान को जरूर याद करना चाहिए। दस साल से ज्यादा समय से यह यान अपने काम में जुटा है। साल 2013 में इसे प्रक्षेपित किया गया था और अब मंगलयान-2 की तैयारी है। मंगलयान की सफलता अपने आप में एक मिसाल है। मंगलयान अभियान पर फिल्म बन चुकी है। वैसे यह कहने में कोई हर्ज नहीं कि मंगलयान-2 में अनावश्यक रूप से देरी हुई है। मंगलयान-2 अपने साथ चार उपकरण ले जाएगा। एक उपकरण मंगल ग्रह के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करेगा, तो दूसरा उपकरण अंतरग्रहीय धूल की विवेचना करेगा। ऐसे ही एक अन्य उपकरण मंगल ग्रह पर वातावरण और पर्यावरण को खंगालेगा। मंगल से जुड़े अध्ययन में तेजी आनी चाहिए और भारतीय नामकरण से भी तेजी आएगी। इससे सबसे बड़ा फायदा यही होता है कि विज्ञान का प्रचार होता है। विज्ञान के प्रति बच्चों में दिलचस्पी बढ़ती है। इसमें क्या शक है कि उत्तर प्रदेश व बिहार में विज्ञान के और अनुकूल माहौल बनाने की जरूरत है!

आज का राशीफल

मेष	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
वृषभ	जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।
मिथुन	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।
कर्क	जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।
सिंह	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।
तुला	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।
वृश्चिक	पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।
धनु	व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
मकर	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कुम्भ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मीन	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

महारानी लक्ष्मीबाई का नेतृत्व

(लेखक - विष्णु अग्रवाल)

18 जून बलिदान दिवस पर विशेष)

11 मई 1857 का सैनिक विद्रोह अंग्रेजो के खिलाफ देश को आजाद कराने के लिए महान क्रांतिकारियों ने महारानी लक्ष्मीबाई क नेतृत्व में अंग्रेजो से स्वाधीनता की लड़ाई लड़ी । झांसी की रानी महारानी लक्ष्मीबाई का व्यक्तित्व आकर्षक दर्पण साबित होता है। प्रसिद्ध कवियत्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने लिखा था- बुन्देलो हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। महारानी लक्ष्मीबाई का मूल नाम मणिकर्णिका था स्वतंत्रता सेनानीयों की अधिष्ठात्री, 1857 जन क्रान्ति की महान सेना नायक और अंग्रेजी शासन की जडों को हिला देने वाली महारानी लक्ष्मीबाई का जन्म कार्तिक वदी 14 विक्रम संवत 1892 कार्तिक वदी 14 (19 नबम्बर 1835) में बनारस (काशी) में हुआ था। वह इतिहास में मनु के नाम से विख्यात हुई। मनु के पिता मोरोपंथ तांबे मूलतः सतारा महाराष्ट्र के रहने वाले थे। वे बाजीराज पेशवा के बिठूर के दरवार में कार्य करते थे। उन्होने अपनी पत्नी के देहान्त के बाद अपनी पुत्री का पालन पोषण बड़े ही प्यार से किया। उन्होंने घुड़सवारी, तलवारबाजी, अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा मुँहबोले भाई नाना साहब पेशवा के साथ प्राप्त की थी। अद्वितीय साहस वीरता एवं निर्भीकता के कारण उनकी शिक्षा दीक्षा राजकीय ढंग से हुई। झांसी के राजा गंगाधर राव नेवालकर की पहली पत्नी का देहान्त होने तथा उसकी कोई संतान न होने के कारण झांसी का कोई उत्तराधिकारी नहीं था इसलिये झांसी के राजा के राजा को सभी दरबारियों ने सलाह देकर राजा गंगाधर राव को दूसरी शादी करने की सलाह दी 13 वर्ष की आयु में मनु का विवाह राजा गंगाधर राव से हो गया। झांसी में मनु का नाम बदलकर महारानी लक्ष्मीबाई हो गया। सन् 1851 में लक्ष्मीबाई को एक पुत्र की प्राप्ति हुई पर दुर्भाग्य से चार महीने की अल्प आयु में ही उनका निधन हो गया उत्तराधिकारी चाहिये था तो उन्होंने दामोदर राव नाम के एक बालक को गोद ले लिया। अंग्रेजो ने नीति बनाई थी जिस राज्य का उत्तराधिकारी नहीं होगा उस राज्य पर अंग्रेजो का अधिकार हो जायेगा। 21 नबम्बर 1853 को हृदयाघात से झांसी के राजा गंगाधर राव झांसी के राजा की मृत्यु हो गई। तब महारानी लक्ष्मीबाई ने झांसी का शासन का कार्य कुशलतापूर्वक अपने हाथ में लिया और उसका संचालन किया । झांसी का कोई वैध उत्तराधिकारी नहीं था ।लार्ड डलहौजी ने विलय नीति के अन्तर्गत झांसी पर अधिकार करने के लिये महारानी लक्ष्मीबाई पर दबाब डाला। डलहौजी अंग्रेजो का सबसे महत्वाकांक्षी व साम्राज्यवादी गर्वनर जनरल था। भारत में अंग्रेजी साम्राज्य का विस्तार करना चाहता था। इसलिये उसने विलय नीति लागू की। उसने कई राज्यों को अपनी इस नीति के कारण हड़प लिया। कोई भी भारतीय शासन ओरस पुत्र के अभाव में दत्तक पुत्र को अपना उत्तराधिकारी घोषित नहीं कर सकता इस अंग्रेजो की नीति के खिलाफ महारानी लक्ष्मीबाई ने जोरदार विरोध किया। उनकी इस रणनीति में नाना साहब पेशवा, तात्याटोपे, बिहार के कुंवर सिंह, दिल्ली के मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर, बेगम हजरत महल के गोहद व भिण्ड के राजा भी महारानी लक्ष्मीबाई के साथ थे। अंग्रेजो को मार भगाने के लिये तथा क्रांति का दिन 11 मई 1857 निर्धारित किया गया। झांसी की रानी के किले को अंग्रेजो ने चारो तरफ से घेर लिया तथा कई दिनों तक अपने तोपचियों एवं सैनिकों के साथ अंग्रेजो से मुकाबला करती रहीं। महारानी लक्ष्मीबाई को उनके दरबारियों ने सलाह दी कि अंग्रेजो का मुकाबला किले के अन्दर से नही बाहर से करना होगा। महारानी लक्ष्मीबाई अपने सैनिकों के साथ अपने गोद लिये पुत्र दामोदर राव को पीठ पर बांधकर किले से बाहर निकली और उनके सैनिक अंग्रेज सैनिकों पर टूट पड़े। महारानी लक्ष्मीबाई का साथ कई स्टेटे के राजा महाराजा, तात्या टोपे आदि क्रांतिकारी दे रहे थे। कालपी छोड़ने के बाद रानी बांदा के नबाब और तात्या टोपे की राजनीति के तहत जब 28 मई 1857 को राब साहब आमन गांव (ग्वालियर के निकट) इस आशय से पहुंचे कि जीवाजीराव उन्हें अंग्रेजों के विरूद्ध सैनिक सहायता तथा युद्ध में साथ देंगे, परन्तु उन्हें निराशा ही हाथ लगी। सहायता के स्थान पर जीवाजीराव के चार सौ पैदल और डेढ़ सौ घुड़सवारों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। लेकिन तात्या टोपे ने उन सैनिकों को समझाने व उनमें देशभक्ति व स्वातंत्रय संघर्ष का मंत्र फूंक कर उन्हें आजादी के मार्ग का रोड़ा न बनने के लिए प्रोत्साहित किया। महारानी लक्ष्मी बाई अंग्रेजी सेना से लड़ते हुये शिवपुरी होते हुये अपने सैनिको के साथ ग्वालियर आई थी। राव साहब संघर्ष के लिये आगे बढ़ गए और 30 मई 1857 को पेशवा की सेना आमन गॉव पहुंच गई। पेशवा ने पूरी तैयारी के साथ मुरार छावनी में पड़ाव डाल दिया। दिनकार राव ग्वालियर स्टेट के रेंजीमेन्ट थे अंग्रेजो के आदेश पर ही कार्य करते थे। जीवाजीराव का जन्म भागीरथ छिन्दे के रूप में 19 जनवरी 1835 को हनुमन्त राव के पुत्र के रूप में जन्म हुआ। ग्वालियर के तत्कालीन महाराजा तृतीय मराठा सरदार जानकोजी राव की मृत्यु सन 1843 में हुई जीवाजीराव सिंधिया को 22 फरवरी 1843 को राजगददी पर बैठाया गया। 1857 की कांन्ति के समय जीवाजीराव की उम्र - 22 वर्ष थी। महाराजा जीवाजीराव व दिनकर राव सरदारों ने थोड़ा सा युद्ध किया परन्तु वे रानी की वीरता के सामने टिक न सके दिनाकर राव के कहने पर जीवाजीराव सिंधिया ग्वालियर छोडकर और पराजित होकर आगरा भाग गए। ग्वालियर पर पेशवा व महारानी लक्ष्मीबाई का अधिकार हो गया । ग्वालियर रियासत में महारानी लक्ष्मीबाई की फौज का गोला बारूद खत्म हो गया था तथा आर्थिक तंगी से सेना जूझ रही थी। 1857 की क्रांति के समय महारानी लक्ष्मीबाई और उनके सेनानायक राव साहब, तात्या टोपे आदि क्रांतिवीर ग्वालियर के रणक्षेत्र में अंग्रेजों के विरूद्ध डटे हुये थे परन्तु लक्ष्मीबाई के सैनिकों को कई माह से वेतन नहीं मिला था न ही राशन पानी का समुचित प्रबंध नहीं हो पा रहा था, तब सिंधिया नरेश के राजकोष गंगाजली (खजाना) कोषालय के प्रधान का चार्ज अमरचन्द बाठिया के पास था। 2 जून 1857 को राव साहब ने अमरचन्द बाँठिया को कहा कि उन्हें सैनिकों को वेतन आदि भुगतान करना है, क्या वे इसमें सहयोग करेंगे। 5 जून 1857 के दिन राव साहब के साथ अमर चन्द्र बाँठिया जी ने अपनी जान की परवाह न करते हुए क्रांतिकारियों की मदद की और ग्वालियर का गंगाजली राजकोश लक्ष्मीबाई एवं स्वत्रंता सैनिको के हवाले कर दिया। तत्कालीन परिस्थितियों में श्री बाँठिया का निर्णय महत्वपूर्ण था। इसका विवरण सेन्ट्रल इण्डिया एजेन्सी ऑफिस में ग्वालियर रेजीडेन्सी की एक फाइल 1261 राष्ट्रीय अभिलेखागार, नई दिल्ली में है। क्रांतिकारी सैनिकों को 5-5 माह का वेतन वितरित किया गया। अमरचन्द बाठिया की सहायता से क्रांतिकारी के हौसले बुलन्द हो गये थे उन्होने अंग्रेजी सेनाओं के दात खटटे कर दिये थे । ग्वालियर पर कब्जा कर लिया था। गर्वनर जनरल ह्यूरोज ने अपनी सेना के साथ महारानी लक्ष्मीबाई से युद्ध किया जिसमें महारानी लक्ष्मीबाई गम्भीर रूप से घायल हो गई। अंग्रेजो की एक गोली महारानी लक्ष्मीबाई की गर्दन पर लगी जिससे वो युद्ध लड़ने में असमर्थ हो गई महारानी लक्ष्मीबाई जहाँ अंग्रेजों से युद्ध लड़ रही थी वहीं पर बाबा गंगादास जी की कुटिया कुछ ही दूरी पर थी । बाबा गंगादास के कहने पर क्रांतिकारी सन्यासियों ने अंग्रेजों से भाले तलवार से लड़ाई लड़ रहें थे इस लडाई में 100 से ज्यादा साधु देश की अजादी के लिये शहीद हो गये । आज भी उनकी समाधि बाबा गंगादास की शाला में बनी हुई है। बाबा गंगादास के कहने पर महारानी लक्ष्मीबाई को बाबा गंगादास की कुटिया में घायल अवस्था में लाया गया बाबा गंगादास जी महारानी लक्ष्मीबाई को गंगाजल पिलाया और महारानी लक्ष्मीबाई ने अपने 18 जून 1857 को प्राण देश के लिये न्यौछावर कर दिये। बाबा गंगादास जी के कहने पर देश भक्त सन्यासियों ने घास फूस की कुटिया की चिता बनाकर महारानी लक्ष्मीबाई का अंतिम संस्कार कर दिया उनका शरीर अंग्रेजो के हाथ न लगे पाये। महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान के चार दिन बाद 22 जून 1957 को ग्वालियर में ही राजद्रोह के अपराध में न्याय का ढोग रचकर सराफा बाजार में ब्रिगेडियर नैपियर व ग्वालियर महाराज जीवाजीराव द्वारा नीम के पेड़ पर लटकाकर अमरचन्द्र बाठिया जी को फांसी दे दी गई । 4 दिन तक शहीद अमरचन्द्र वाठिया का शरीर पेड़ से लटका रहा आज उनक वंशज कानपुर उत्तर प्रदेश में रहते है इस लडाई में 290 अंग्रेज भी मारे गये थे जिनकी कब्र ग्वालियर किलें व मुरार में बनी हुई है। 1857 की कांन्ति के बाद झॉसी का किला बिटिश फौज के कब्जें में आ गया था। उस समय झॉसी ध्वज जिस पर हनुमान जी की छवि अंकित थी तथा काफी बहूमूल्य समान हाथ लगा था। जिसे राजपूताना रायफल को सौप दिया गया था। बहूमूल्य सामान भी राजपूताना रायफल से चोरी हो गया। वर्तमान में महारानी लक्ष्मी बाई की वंशज खजराना गणेश जी के पास में तथा नागपुर में झॉसी वालो के नाम से रहते है।

महारानी लक्ष्मीबाई के वंशज आज भी गुमनामी का जीवन जी रहे है। दामोदर राव को महारानी लक्ष्मीबाई ने विश्वास पूर्ण सिपाहसालार जवाहर सिंह रामचन्द्र राव देशमुख से किसी तरह दामोदर राव को जीवित बचा कर ले जाने को कहा । उनके साथ 60 साथी 20 घोडे, व 20 ऊँट थे। शिवपुरी के पास दामोदर राव शरण लिये हुये थे उस समय दामोदार की तबियत ज्यादा खराब हो गई ।

मौसम के कहर का मुकाबला पारंपरिक ज्ञान से

भीषण गर्मी/ पंकज चतुर्वेदी

इन दिनों पूरा उत्तरी भारत तीखी गर्मी की चपेट में है। कुछ जगह पश्चिमी विक्षोभ के कारण बरसात भी हुई लेकिन ताप कम नहीं हुआ। देश के लगभग 60 फीसदी हिस्से में अब 35 डिग्री से 45 डिग्री की गर्मी के कहर के 100 दिन हो गए हैं। चेतावनी है कि आने वाले दो हफ्ते मौसम ऐसा ही रहेगा। यदि मानसून आ भी गया तो भले तापमान नीचे आ जाए लेकिन उमस से परेशानियां कायम रहेंगी। इस बार गर्मी के प्रकोप ने न तो हिमाचल की सुरम्य वादियों को बख्शा और न ही उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों को। चिंता की बात यह कि गंगा-यमुना के मैदानी इलाकों में लू का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश जो कि गंगा-यमुना दोआब के साथ-साथ कई छोटी-मध्यम नदियों का घर है, और जो कभी घने जंगलों के लिए जाना जाता था, बुंदेलखंड की तरह तीखी गर्मी की चपेट में आ रहा है। यहां पेड़ों की पत्तियों में नमी के आकलन से पता चलता है कि आगामी दशकों में हरित प्रदेश कहलाने वाला क्षेत्र सूखे, पलायन, निर्वनीकरण का शिकार हो सकता है। आधा जून पार हो गया व अभी भी शिमला, मनाली जैसे स्थानों का तापमान 30 के करीब है। मौसम विभाग ने इस महीने के आखिरी हफ्ते तक कई जगह लू की चेतावनी जारी की है। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में गर्मी ने 122 सालों का रिकार्ड तोड़ दिया है। यहां तापमान 42.4 दर्ज किया गया। गर्मी अब इंसान के लिए संकट बन रही है। राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में तीखी गर्मी ने हवा की गुणवत्ता खराब की है। इसके अलावा लू लगने, चक्कर आने, रक्तचाप अनियमित होने से झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में 200 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। वहीं लगातार गर्मी ने पानी की मांग बढ़ाई तो संकट भी। सबसे बड़ी बात गर्मी से शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भी घटी है। बोतलों में बिकने वाला पानी हो या फिर लोगों द्वारा सहेजकर रखा जल, दोनों गर्म होते हैं। तीखी गर्मी में प्लास्टिक बोतल में उबलने के चलते पानी ज़हर बना दिया। पानी का तापमान बढ़ना तालाब-नदियों की सेहत खराब कर रहा है। एक तो वाष्पीकरण तेज हो रहा है, दूसरा पानी अधिक गर्म होने से जलीय जीव-जन्तु और वनस्पति मर रहे हैं। तीखी गर्मी भोजन की पौष्टिकता पर भी असर डाल रही है। गेहूं के दाने छोटे हो रहे हैं और पौष्टिक गुण घट रहे हैं। वैसे भी पका हुआ खाना जल्दी खराब हो रहा है। फल-सब्जियां जल्दी गल रही हैं। इस बार की गर्मी में रात का तापमान भी कम नहीं हो रहा है। पहाड़ हो या मैदानी महानगर, बीते दो महीनों से न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री तक अधिक चल रहा है। सुबह चार बजे भी लू का अहसास होता है। ऐसे में बड़ी आबादी की नींद पूरी नहीं हो पा रही। खासकर स्लम, नालों आदि के किनारे रहने वाले मेहनतकश लोग दिनभर उनींदे रहते हैं। इससे उनकी कार्यक्षमता पर असर पड़ रहा है। शारीरिक विकार हो रहे हैं। जो लोग सोचते हैं कि एयर कंडीशनर से इस गर्मी की मार से सुरक्षित हैं, वे भ्रम में हैं। लंबे समय तक एसी कमरों में रहने से नाड़ियों में संकुचन, मधुमेह और जोड़ों के दर्द का खमियाजा भोगना पड़ सकता है।

यह गर्मी शरीर को प्रभावित करने के साथ ही इंसान की कार्यक्षमता पर भी असर डाल रही है। वहीं पानी-बिजली की मांग बढ़ती है, उत्पादन लागत भी बढ़ती है। बीती मार्च में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने भारत में एक लाख लोगों के बीच सर्वे कर एक रिपोर्ट में बताया कि गर्मी-लू के कारण गरीब परिवारों को अमीरों की तुलना में पांच फीसदी अधिक आर्थिक नुकसान होगा। चूंकि सम्पन्न लोग बढ़ते तापमान के अनुरूप अपने कार्य को ढाल लेते हैं, जबकि गरीब ऐसा नहीं कर पाते। सवाल है कि प्रकृति के इस बदलते रूप के सामने इंसान क्या करे? तो जान लें कि प्रकृति की किसी भी समस्या का निदान हमारे अतीत के ज्ञान में ही है। आधुनिक विज्ञान इस तरह की दिक्कतों का हल नहीं खोज सकता जिसके पास तात्कालिक निदान और सुख के साधन तो हैं, लेकिन कुपित कायनात से जूझने में वह असहाय है। समय आ गया है, इंसान बदलते मौसम के मुताबिक अपने कार्य का समय, भोजन, पहनावे आदि में बदलाव करे। अगर लू की मार और उमस से बचना है तो अधिकाधिक पारंपरिक पेड़ रोपें। शहर के बीच बहने वाली नदियां, तालाब, जोहड़ आदि यदि सुरक्षित, निर्मल और अविरल रहेंगे तो बढ़ी गर्मी को सोखने में ये सक्षम होंगे। खासकर बिसरा चुके कुएं और बावड़ियों के जीवंत रहने से जलवायु परिवर्तन के संकट से बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है। आवासीय और कार्यालयों के निर्माण की तकनीकी और सामग्री में बदलाव, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, भवनों को ईको फ्रेंडली होना, ऊर्जा संचयन, पलायन रोकना, ऑर्गेनिक खेती सहित कुछ ऐसे उपाय हैं जो बहुत कम व्यय में देश को इस गर्मी से राहत दिला सकते हैं।

विचार मंथन

चुनाव आयोग और भाजपा की जान ईवीएम में?

(लेखक- सनत जैन)

भारत में ईवीएम की लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच रही है। लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद, लोकसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग की भूमिका, भारत सरकार द्वारा चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में की गई मनमानी, भारतीय जनता पार्टी का 2014 के बाद ईवीएम का प्रेम, केंद्र में बहुमत की सरकार होने से न्यायपालिका का कमजोर होना, न्यायपालिका द्वारा चुनाव आयोग की संवैधानिक शक्तियों के आगे अपने आप को वास्तविकता से अलग-थलग कर लेने से यह विवाद बढ़ता ही जा रहा था। चुनाव आयोग और ईवीएम की निष्पक्षता को लेकर पिछले 5 वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में यह लड़ाई लड़ी जा रही है। यह लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। दुनिया के आईटी,सोशल मीडिया इंडस्ट्री तथा दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी एलन मस्क ने ईवीएम मशीन की चिंगारी में आग लगाने का काम कर दिया है। एलन मस्क ने पोस्ट में लिखते हुए कहा, ईवीएम को खत्म कर देना चाहिए। इसे इंसानों और एआई के माध्यम से आसानी से हैक किया जा सकता है। एलन मस्क के बयान के बाद राहुल गांधी का भी बयान आया। उन्होंने ईवीएम मशीन को ब्लैक बॉक्स की तरह बता दिया। चुनाव आयोग जिस तरह से ईवीएम मशीन और उसके सॉफ्टवेयर से संबंधित जानकारी को छुपा रहा है। जांच करने की इजाजत चुनाव आयोग किसी को नहीं देता है। चुनाव प्रक्रिया में कोई पारदर्शिता नहीं रह गई है। चुनाव आयोग की भी कोई जवाब देही नहीं है। चुनाव आयोग जो कहे, वही सही मान लिया जाता है। सूचना अधिकार कानून के तहत भी चुनाव आयोग मांगी हुई जानकारी नहीं देता है। चुनाव के कई महीने पहले से विपक्षी दल चुनाव आयोग से मिलने का समय मांग रहे थे। चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों को मिलने का और बैठक करने का समय भी नहीं दिया। इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता भी प्रभावित हुई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन, सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों द्वारा किया गया। उस मामले में चुनाव आयोग ने चुप्पी साथ रखी थी। सत्ता पक्ष की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की। चुनाव लड़ने के लिए सभी राजनीतिक दलों को समान अवसर मिले। इसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग की थी। चुनाव के दौरान सरकार और जाँच एजेंसियां विपक्षी दलों को घेरने का काम करती रहीं। विपक्षी दलों को चुनाव प्रचार करने से रोकने या बाधित करने के लिए तरह-तरह के प्रयास विभिन्न स्तरों पर किए गए। मतदान के बाद जिस तरह से फॉर्म 27 की जानकारी छुपाने का काम किया है। मतदान का आंकड़ा छुपाया गया। कहीं मतदान से ज्यादा, कहीं मतदान से कम मतगणना हुई। ईवीएम मशीन में डाले गए वोट का मतगणना से मिलान नहीं हुआ। मतदाता पर्चियां को गिनने से चुनाव आयोग निरंतर इनकार करता रहा। जिसके कारण चुनाव आयोग, ईवीएम मशीन, वीवीपेट की पर्चियां सभी शक के दायरे में हैं। मतगणना के दौरान सत्ता पक्ष के दबाव में काम करने के भी कई आरोप सामने आए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में आम जनता, राजनीतिक दलों के नेताओं, दुनिया भर के राजनेताओं और कारोबारियों ने भारत मे हुए चुनाव की स्थिति का आकलन किया है। भारत में नियम और कानून का पालन हो रहा है या नहीं। इसे वैश्विक दुनिया बड़ी गंभीरता के साथ देखती है। एलन मस्क के बयान से अब ज्यादा दिनों तक ईवीएम मशीन से मतदान कराना चुनाव आयोग के लिए संभव नहीं होगा।

चुनाव में पारिदर्शिता लानी ही होगी। मुंबई में शिवसेना शिंदे गुट के सांसद की 48 वोटो से जो जीत हुई है। निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी और जीते हुए सांसद के रिश्तेदार द्वारा मतगणना स्थल पर मोबाइल फोन का उपयोग करने के सबूत मिलने के बाद यह मामला भी तूल पकड़ने लगा हैं। 10 बरस के बाद विपक्ष पहले की तुलना में मजबूत हुआ है। विपक्ष भी अब न्यायपालिका में अपने हितों की लड़ाई लड़ना सीख गया है। न्यायपालिका के ऊपर भी अपने अस्तित्व को बचाए रखने का दबाव है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के वकीलों ने चुनाव आयोग और ईवीएम मशीन की गड़बड़ियों को लेकर न्यायपालिका के अंदर अपना पक्ष बड़ी मजबूती के साथ रख रहे हैं। इन सारी स्थितियों को देखते हुए संभावना बनने लगी है। जल्द ही भारत में ईवीएम मशीन के स्थान पर वैलेट पेपर से चुनाव कराने का रास्ता साफ हो सकता है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, 2009 से 2014 तक ईवीएम हटाने की मांग भारतीय जनता पार्टी के लोह पुरुष लालकृष्ण आडवाणी तथा भाजपा के सभी लोग कर रहे थे। ईवीएम मशीन के खिलाफ बड़ी-बड़ी किताबें भी लिखी गई। 2014 में केंद्र की सत्ता मिल जाने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी ईवीएम से चुनाव कराने का समर्थन कर रही है।

2009 से 2014 के बीच में भाजपा की नेताओं ने ईवीएम मशीन पर भारी रिसर्च की थी। केंद्र की सत्ता में आने के बाद उसी रिसर्च का फायदा उन्हें ईवीएम की मशीनों से वर्तमान में मिल रहा है? इसलिए वह सत्ता में रहते हुए ईवीएम के समर्थन पर अपना पूरा जोर लगा रहे हैं। यह अलग बात है, जिस दिन भारतीय जनता पार्टी की सत्ता केंद्र में नहीं होगी, तो यही पार्टी सबसे ज्यादा विरोध ईवीएम का करेगी।

हेयरकट करवाना है तुम्हें, पर समझ नहीं आ रहा कि कौन-सा करवाएं। घर पर कोई बताने वाला भी नहीं है। हम है न! हम बताते हैं कि इस साल कौन-सा हेयरकट हिट रहेगा?

हेयरकट हिट जलवा फिट

मम्मा की पसंद का हेयरकट बहुत करवा लिया। कैटरीना, करीना और प्रियंका चोपड़ा जैसा हेयरकट करवाना है तुम्हें, पर मम्मा है कि समझती नहीं हैं। उन्हें लगता है कि तुम पढ़ाई में कम और फैशन में ज्यादा ध्यान देने लगी हो। अब ये बात उन्हें कौन समझाए कि हेयरकट करवाने से तुम कितनी स्मार्ट दिखोगी। सब तारीफ करेंगे तुम्हारी और ये सब मम्मा को अच्छा लगेगा ही। जल्दी से मम्मा को मनाओ कि तुम अपना हेयरकट करवाना चाहती हो, ताकि सब उनसे तुम्हारी तारीफ कर सकें। लेकिन, 2010 के ट्रेंड को ध्यान में रखकर ही हेयरकट करवाना।

एक्स्ट्रा शॉर्ट ब्लॉन्ड: तुम्हारे बाल पतले और हल्के हैं, तो तुम पर ये हेयरकट सूट करेगा, क्योंकि घने बालों पर ही थोड़े लंबे हेयरकट अच्छे लगते हैं, लेकिन इस तरह का हेयरकट हार्ट शेप या ओवल शेप वाले चेहरे पर ही अच्छा लगता है। ये हेयरकट आसानी से कैरी हो जाते हैं। इन्हें आप रोज शैंपू कर सकते हैं। अब मौसम बदल रहा है। एकाध महीने में गर्मियां भी आ जाएंगी। उसके बाद तो मन करेगा कि रोज बाल धोएं। तुम्हारे बालों की क्वालिटी कुछ ऐसी ही है, तो फटाफट अपना हेयरकट करवा डालो।

बॉब कट : प्रियंका चोपड़ा तो तुम्हें जरूर पसंद होगी। उसका फिगर और हेयरकट है ही बड़ा कमाल का। प्रियंका ने प्यार इंपॉसिबल के लिए जो हेयरकट करवाया है, वो यही तो है। छोटे-छोटे बाल कानों तक। अगर तुम्हारा फिगर भी कुछ ऐसा ही है, तो यकीनन तुम पर ये हेयरकट सूट करेगा। कर्ली और वेवी बालों पर भी बॉब कट सूट करता है। इस हेयरकट की सबसे अच्छी बात यह है कि सब तरह के फेसकट पर सूट करता है।

बैंग्स: बैंग्स सुनने में बड़ा अटपटा लगता है, पर है वही पुराना साधना कट जैसा। कुछ-कुछ वैसा ही दिखता है। आगे की तरफ गिरे हुए बाल। कैटरीना कैफ आजकल बैंग्स हेयरकट में दिखती है। पता है, इस हेयरकट में तुम बार्बी डॉल जैसी दिखोगी। लेकिन किसी ऐरू-गेरू पॉर्लर से ये हेयरकट मत करवाना। किसी ढंग के पार्लर में जाकर ही हेयरकट करवाना। उन्हें पता रहता है कि बाल कैसे काटने हैं। थोड़ा खर्च होगा पर तुम्हारे दोस्त कम से कम तुम्हारी हंसी नहीं उड़ाएंगे।

पिक्सी: शॉर्ट हेयरस्टाइल में पिक्सी सबसे ट्रेंडी हेयरकट है, लेकिन ये पतले चेहरे पर ही अच्छा लगते हैं। इसे मैंटेन करना भी आसान है। पिक्सी में चॉपी और शैगी दो ऑप्शन हैं। पिक्सी हेयरकट पीछे से छोटे और आगे से थोड़े गिरे हुए होते हैं। ये हेयरकट सबसे ज्यादा ट्रेंडी और मॉडर्न लुक देता है। तुम्हारे बाल अगर बढ़ते नहीं हैं, तो आंख मूंदकर ये हेयरकट करवा लो। इसी बहाने थोड़ी स्टाइलिश दिखोगी।

बन हेयरस्टाइल: बन बनाने के लिए टाइम चाहिए होता है। दीपिका पादुकोण अक्सर साड़ी में इसी हेयर स्टाइल के साथ दिख चुकी है। बन थोड़े लंबे बालों में ही बन पाता है। बाल कम से कम कंधों तक तो हों, वरना बन बनाने में असुविधा होती है। अगर तुम हेयरकट नहीं करवाना चाहती और फैमिली की शादी में तुम्हें स्टाइलिश भी दिखना है, तो इसी हेयरस्टाइल में वहां जाना।

सेडू हेयरस्टाइल: सेडू यानी सिडक्टिव हेयरकट। थोड़े लंबे और चमकदार बालों में ही सेडू हेयरकट बनता है। सेडू हेयरस्टाइल में हर तरह के कर्ली और वेवी बालों पर सूट करते हैं। तुम्हारे बाल लंबे, चमकदार और स्ट्रेट हैं, तो तुम इस हेयरस्टाइल में स्मार्ट दिखोगी। फ्रिंज हेयरकट तुम अपने चौड़े माथे से परेशान हो और कुछ करवाना चाहती हो, ताकि तुम्हारा माथा छिप सके। फिर हम तुम्हें यह हेयरकट रखने की सलाह देंगे, क्योंकि इससे तुम्हारा चौड़ा माथा छुप जाएगा। हॉलीवुड अभिनेत्री कैट मॉस यही हेयरकट रखती हैं।

घर संभालने की कला

दोस्तों घर का हिसाब-किताब करना हो या रिश्तेदारी निभाना, घरेलू मोर्चा संभालने की जिम्मेदारी तो महिलाओं पर ही रहती है। अक्सर पुरुषों को इन मामलों में फिसड्डी ही समझा जाता है, लेकिन कुछ समय पहले हुए एक शोध के मुताबिक कहानी कुछ और ही है। कैलिफोर्निया में हुए इस शोध का कहना है कि अगर पुरुषों को मौका दिया जाए तो वे एक अच्छे होम मेकर साबित हो सकते हैं। तकरीबन 350 महिलाओं और पुरुषों पर किए गए इस अध्ययन के दौरान यह पाया गया कि अगर एक बार उन्हें घर संभालने की जिम्मेदारी दे दी जाए तो वे उसे काफी अच्छे तरीके से निभाना पंसद करते हैं।

इस रिसर्च के मुख्य शोधकर्ता जेड विडसन आंकड़ों को आधार बनाकर बताते हैं कि करीब 71 फीसदी पुरुष अपनी तनख्वाह के मुताबिक ही खर्च करते हैं, जबकि 53 प्रतिशत महिलाएं क्षमता से ज्यादा। लगभग 73 प्रतिशत पुरुष अपने आमदनी के हिसाब से शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड्स, जीवन बीमा व अन्य बचत योजनाओं आदि पर निवेश करने पर प्राथमिकता देते हैं, जबकि केवल 4 फीसदी महिलाएं ही निवेश के बारे में गहरी जानकारी रखती हैं। अब आप कहेंगे कि केवल बचत करने से क्या, उन्हें खाना बनाना भी तो आना चाहिए, लेकिन हम आपको बताते चलें कि अमूमन पुरुष 'मुझे तो खाना बनाना आता ही नहीं' कहकर काम से बचकर निकल जाते हैं। लेकिन अगर एक बार पुरुष पाक कला सीख जाएं तो वह उसमें भी एक्सपर्ट हो जाते हैं। यकीन नहीं आया न, जरा आस-पास नजर दौड़ाइए, आपको सबसे बेहतरीन शेफ पुरुष ही मिलेंगे।

हैंडबैग महिलाओं के लुक को न केवल विशेष बनाता है, बल्कि व्यक्तित्व को उभारता भी है। मौजूदा दौर में हैंडबैग महिलाओं का आवश्यक साथी बन चुका है। हैंडबैग व पर्स का रंग व आकार यदि जूतों, कद काठी व वस्त्रों से मेल खाता हुआ हो तो बात कुछ खास हो जाती है।

पर्सनैलिटी के अनुसार हो हैंडबैग

आम तौर पर सफेद, काल, मैरून, भूरे, सिल्वर व सुनहरी हैंडबैंग लगभग सभी पोषकों से मैच कर जाते हैं। अवसर के मुताबिक औपचारिक समारोह में जाते समय या खरीदारी करते समय और नौकरी पर जाते समय आवश्यकतानुसार चीजें भरकर अलग-अलग हैंडबैंग का प्रयोग करना चाहिए।

- कॉलेज व ऑफिस जाने वाली युवतियों को खुशनुमा आधुनिक डिजाइन के जूट, कपड़े, रेक्सिन या चमड़े के कमर तक लटकने वाले हैंडबैंग काम में लाने चाहिए।
- अध्यापन व प्रशासनिक दायित्वों से जुड़ी महिलाओं को सिम्पल डिजाइन का एकरंगा हैंडबैग व पर्स लेना चाहिए।
- दुबली, पतली छोटे कद की महिलाओं को चौड़े स्टैप वाले बड़े आकार के चपटे हैंडबैग का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इन पर हल्के-फुल्के स्टेप वाले गोलाकार या पंचकोणनुमा शेप के हैंडबैग खूब फबते हैं।
- नाटी व मोटी महिलाओं को भी बहुत बड़े या छोटे हैंडबैग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इन्हें कमर से लटकने वाले हैंडबैंग की बजाय हैण्डिल वाले मध्यम आकार के हैंडबैग काम में लेने चाहिए।
- लम्बे कद की महिलाओं पर थोड़े बड़े लटकने वाले हैंडबैंग फबते हैं। शादी व स्वागत समारोह जैसे मांगलिक अवसरों पर पोशाक से मेल खाते मखमल या शनील के पर्स बहुत अच्छे लगते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

चमचमाते साफ-सुथरे हैंडबैग जहां सुरुचिपूर्ण व्यक्तित्व के परिचायक हैं, वहीं बेडौल शेप के उखड़ी जिप वाले, बेकार सामान से भरे हैंडबैग फूहड़ व्यक्तित्व की चुगली खाते नजर आते हैं।

- इससे बचने हेतु अनावश्यक चीजें हैंडबैग में न रखें। इससे जिप व तनियों, स्ट्रेपसद्ध पर अनावश्यक बोझ पड़ता है और वे जल्दी खराब हो जाते हैं। फालतू चीजें भरी रहने से चीजें भी तुरंत मिल नहीं पाती।
- बरसात के दिनों में चमड़े व हैंडबैग व पर्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, क्योंकि पानी की नमी से ये बेडौल हो जाते हैं और इनमें फफूंद लग जाती है। हैंडबैग व पर्स का इस्तेमाल करने के बाद उन्हें सुरक्षित स्थान पर रख देना चाहिए।
- अधिक समय तक जब पर्स का प्रयोग न करना हो तो उसमें कागज भर कर रखें, ताकि आकार ठीक बना रहे। इन्हें बच्चों व फालतू जानवरों को खेलने के लिये देना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे इनके खराब होने का डर बना रहता है।

प्रांरभ में जब महिलाएं गर्वभती होती थी तब उनका एक ही काम था, अपना व अपने बच्चे का ख्याल रखना और उनका करियर का वही खत्म हो जाना, पर अब महिलाओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है जिससे वे अपना व करियर दोनो को संभाल सकती है।

समझे अपने आपको

कामकाजी महिलाओं को दिन में ऑफिस और रात को घर का काम ये दोनो के मध्य अपना भी ध्यान रखना काफी मुश्किल भरा होता है। आम तौर पर महिलाओं को कुछ ऐसे तकलीफें से गुजरती है जो एक गर्वभती महिला ही समझ सकती है, तो ऐसे मे वे स्वंय अपना ख्याल रखें।

सही समय पर सही काम

कामकाजी गर्वभती महिलाओं को अपने कामो का शेड्यूल बनना चाहिऐ ताकि उनके सारे काम सही समय पर हो सके। घर व ऑफिस का टाइम दोनो को ऐसा संतुलन को बनाए रखना चाहिएं की जिससे किसी भी काम को देरी न हो।

न लें टेंशन

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अपने आपको कूल रखना होता है, इससे डिलिवरी होते समय किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आती, इसके साथ आपको योगा, मसाज, वॉक आदि को अपनाते रहना चाहिए ताकि आपका आने वाला बच्चा स्वस्थ हो।

ऐसा भी करें

- हेल्दी फूड समय-समय पर लेते रहे।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करती रहे।
- समय-समय पर चेकअप कराते रहना चाहिए।
- एक्सपर्ट की सलाह लें।
- आराम दिलाने वाले तरीकों को अपनाएं

हर महिला को सबसे ज्यादा खुशी तब होती है जब वो मां बनती है, पर कामकाजी महिलाओं के लिए ये खुशी कुछ हद तक मायने रखती है क्यों कि उन्हे इसके लिए अपना करियर को छोड़ना पड़ सकता है।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं।

आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

म्यूचुअल फंड से अप्रैल-मई में जुड़े 81 लाख नए निवेशक

नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों अप्रैल-मई में 81 लाख से ज्यादा निवेशकों के खाते जोड़े हैं। स्टॉक ट्रेडिंग मंच के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इसके अलावा फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) के बारे में बदलती धारणाएं और आय के स्तर में वृद्धि और वित्तीय बाजार तक पहुंच ने भी नए निवेशकों की संख्या वृद्धि में योगदान दिया है। फिक्स्ड डिपॉजिट योजनाएं अब म्यूचुअल फंड की तुलना में प्रतिस्पर्धी रिटर्न नहीं देती हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही म्यूचुअल फंड के लिए संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं, जिसे शेयर बाजार में चल रही तेजी, ठोस रिस्क मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज, निरंतर इन्वेस्टर एजुकेशन और लगातार मार्केटिंग प्रयासों से समर्थन मिल रहा है। विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा इंडस्ट्री में अच्छी वृद्धि जारी रहेगी क्योंकि बचतकर्ता अपने लांग-टर्म गोल्स के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाश रहे हैं। पीजीआईएम इंडिया म्यूचुअल फंड के एक अधिकारी ने कहा कि जैसे-जैसे भारत की प्रति व्यक्ति आय बढ़ेगी, निवेशक ऐसे एसेट क्लासेज में पैसा

बचाना चाहेंगे, जिनमें महंगाई को मात देने और वेल्थ क्रिएशन की क्षमता है। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड की पहुंच बढ़ेगी, यह इंडस्ट्री स्तर पर हायर फोलियो बेस में तब्दील हो जाएगा।

एनटीपीसी ग्रीन को शेयर बाजार में लिस्ट कराएगी कंपनी

नई दिल्ली । देश और दुनिया में ग्रीन एनर्जी पर बढ़ते फोकस की वजह से देश की सबसे बड़ी थर्मल पावर कंपनी एनटीपीसी ने ग्रीन एनर्जी के फील्ड में प्रवेश करने का फैसला किया है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी सोलर, हाइड्रोजन और विंड एनर्जी जैसे कामकाज करती है। एनटीपीसी ने अपनी सहयोगी कंपनी के रूप में एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड स्थापित की है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी शेयर बाजार में लिस्ट होने के बाद भी एनटीपीसी की सहयोगी कंपनी बनी रहेगी। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी कार्बनिक और इनॉर्गेनिक रूट से कई ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट लगाती है। कंपनी साल 2032 तक 60 गीगावॉट ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट लगाना चाहती है। शेयर बाजार के कवि विशेषज्ञों ने एनटीपीसी के शेयरों को 455 रुपए के टारगेट के लिए खरीदने की सलाह दी है। नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन भारत की महारत्न पीएसयू कंपनी है जो साल 2024 में अब तक अच्छी तेजी दिखा रही है। बंबई स्टॉक एक्सचेंज में एनटीपीसी के शेयरों में इस साल 20 फीसदी तक की तेजी आई है। एनटीपीसी के शेयर इस समय 370 रुपए के लेवल से नीचे कामकाज कर रहे हैं लेकिन कई ब्रोकरेज ने एनटीपीसी के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है।

यूएई से सोना-चांदी का आयात बढ़ा, एफटीए में शुल्क संशोधन की जरूरत-जीटीआरआई

नई दिल्ली । देश का अपने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) साझेदार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सोने और चांदी का आयात 2023-24 में बढ़कर 10.7 अरब डॉलर हो गया है। इस उछाल को कम करने के लिए समझौते के तहत रियायती सीमा शुल्क दरों में संभावित रूप से संशोधन करने की आवश्यकता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार सोने और चांदी के आयात में यह तीव्र वृद्धि मुख्य रूप से भारत-संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत भारत द्वारा यूएई को दी गई आयात शुल्क रियायतों से संभव हो पाई है। जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार भारत असीमित मात्रा में चांदी के आयात पर सात प्रतिशत शुल्क या सीमा शुल्क रियायतें और 160 मीट्रिक टन सोने पर एक प्रतिशत रियायत देता है। सीईपीए पर फरवरी 2022 में हस्ताक्षर किए गए और मई 2022 में इसे लागू किया गया। इसके अतिरिक्त भारत गिफ्ट सिटी में इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबीएक्स) के जरिए निजी कंपनियों को यूएई से आयात करने की अनुमति देकर सोने और चांदी के आयात की सुविधा देता है। पहले केवल नामित एजेंसियां ही ऐसे आयातों को संभाल सकती थीं। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत का यूएई से कुल आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 53.2 अरब अमरीकी डॉलर से 9.8 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 48 अरब अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि सोने तथा चांदी का आयात 210 प्रतिशत बढ़कर 3.5 अरब अमरीकी डॉलर से 10.7 अरब अमरीकी डॉलर हो गया। शेष सभी उत्पादों का आयात वित्त वर्ष 2022-23 में 49.7 अरब अमरीकी डॉलर से 25 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2023-24 में 37.3 अरब अमरीकी डॉलर हो गया।

वेदांता का 10 अरब डॉलर की पूर्व आय हासिल करने का लक्ष्य

नई दिल्ली । खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता समूह की निकट भविष्य में 10 अरब अमेरिकी डॉलर की कर पूर्व आय हासिल करने के लक्ष्य को 50 से अधिक उच्च प्रभाव वाली वृद्धि परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन से बल मिलेगा। इनमें जस्ता, एल्युमीनियम, तेल एवं गैस तथा बिजली कारोबार शामिल हैं। वेदांता समूह द्वारा आयोजित साइट विजिट पर आए 45 से अधिक कोष प्रबंधकों और विश्लेषकों के समक्ष प्रस्तुत की गई पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के अनुसार ये परियोजनाएं पूरी होने के अग्रिम चरण में हैं। इस प्रस्तुति के अनुसार वेदांता समूह इन मौजूदा वृद्धि परियोजनाओं में करीब आठ अरब डॉलर निवेश कर रहा है। कंपनी की इस वर्ष के अंत तक सभी विनियामक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद पांच अतिरिक्त संस्थाओं को बाजार में सूचीबद्ध करने की भी योजना है।

पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त 18 जून को जारी होगी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जून को 9.26 करोड़ लाभार्थी किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करेंगे। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले पीएम-किसान योजना की 17वीं किस्त जारी करने से जुड़ी फाइल पर ही हस्ताक्षर किए थे। पीमए किसान योजना की शुरुआत साल 2019 में हुई थी। 16 किस्ते तो में केंद्र सरकार अब तक इस योजना के तहत किसानों को 3.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित कर चुकी है। पीएम किसान की वेबसाइट पर मौजूद बेनिफिशियरी लिस्ट देखकर यह पता चल जाएगा कि आपके खाते में पैसे आएगे या नहीं। मालूम हो कि सरकार की ओर से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत हर साल पहली किस्त अप्रैल से जुलाई, दूसरी किस्त अगस्त से नवंबर और तीसरी किस्त दिसंबर से मार्च के बीच ट्रांसफर की जाती है। पीएम किसान योजना संबंधी किसी भी तरह की समस्या पर किसान ईमेल आईडी पीएम किसान-इक्टएटदरेटजीओवीडॉटइन पर संपर्क कर सकते हैं। पीएम किसान योजना के हेल्पलाइन नंबर- 155261 या 1800115526 या फिर 011-23381092 के जरिए संपर्क कर सकते हैं।

अमूल ने महिला से आइसक्रीम का टब वापस करने अनुरोध किया

नई दिल्ली ।

आइसक्रीम में कनखजूरा मिलने की शिकायत के बाद अमूल ने नोएडा में महिला ग्राहक से आइसक्रीम का टब वापस करने का सोमवार को अनुरोध किया ताकि उसकी जांच की जा सके। कंपनी ने साथ ही कहा कि वह भारत और वैश्विक बाजारों में बेहतर गुणवत्ता वाले दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने को प्रतिबद्ध है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि नोएडा में एक महिला ने दावा किया है कि उसने एक इंस्टेंट डिलीवरी ऐप के जरिए आइसक्रीम मंगवाई थी, जिसके अंदर उसे एक कनखजूरा मिला है। अमूल ब्रांड के तहत दुग्ध उत्पादों का विपणन करने वाले गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) ने नोएडा में महिला ग्राहक को हुई असुविधा पर खेद व्यक्त किया। नोएडा के खाद्य सुरक्षा विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। अमूल ने एक बयान में कहा कि उसने सोशल मीडिया पर मिली शिकायत पर तुरंत गौर किया। इस घटना के कारण उन्हें हुई असुविधा के लिए हमें बेहद खेद है। अमूल ने कहा कि उसके दल ने ग्राहक से संपर्क किया और उसी दिन रात साढ़े नौ बजे के बाद उससे मुलाकात की। बयान के अनुसार ग्राहक के साथ हमारी बैठक के दौरान हमने ग्राहक से जांच के लिए उक्त आइसक्रीम टब उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, दुर्भाग्य से ग्राहक ने इसे सौंपने से इनकार कर दिया। जब तक ग्राहक से शिकायत वाला उत्पाद वापस नहीं मिल जाता तब तक हमारे लिए मामले की जांच करना मुश्किल होगा और इसलिए इस मुद्दे पर हम कोई टिप्पणी नहीं कर पाएंगे।

टाटा पंच ईवी और नेक्सॉन ईवी की अच्छी डिमांड

- टाटा की दो इलेक्ट्रिक कार के दीवाने हुए लोग

नई दिल्ली ।

वाहन निर्माता स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के कुछ आकर्षक आंकड़े सामने आए हैं। टाटा पंच ईवी और नेक्सॉन ईवी की अपने सेगमेंट में अच्छी डिमांड देखी जा रही है। टाटा पंच ईवी को लॉन्च हुए केवल 5 महीने हुए हैं और इसी के भीतर इस इलेक्ट्रिक कार ने 10,000 यूनिट की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है, जबकि नेक्सॉन ईवी ने 2020 में लॉन्च होने के बाद से 68,000 से अधिक बिक्री का आंकड़ा हासिल किया है। कुल मिलाकर दोनों कारों की 78,000 यूनिट्स बिक चुकी हैं। फीचर्स की बात करें तो, नेक्सॉन ईवी वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और ऐप्पल कारप्ले के साथ 12.3 इंच का टचस्क्रीन सिस्टम, 10.25 इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, 9-स्पीकर जेबीएल सिस्टम, रियर वेंट के साथ स्वचालित एसी, वायरलेस फोन चार्जर और सनरूफ जैसे फीचर्स के साथ आती है। इसमें सामने वेन्टीलेटेड सीटें भी मिलती हैं। वहीं पंच ईवी की बात करें तो, इसमें डुअल-स्क्रीन सेटअप, एयर प्योरिफायर, 6-स्पीकर, क्रूज कंट्रोल, एम्बिएंट लाइटिंग और सनरूफ जैसे फीचर्स मिलते हैं। सुरक्षा के लिहाज से, दोनों एसयूवी में छह एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, ऑल-व्हील डिस्क ब्रेक और ऑटो होल्ड के साथ एक इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक मिलता है। इसमें ब्लाइंड स्पॉट व्यू मॉनिटर, हिल होल्ड कंट्रोल और हिल डिसेंट कंट्रोल भी शामिल हैं।नेक्सान ईवी में फ्रंट पार्किंग सेंसर भी मिलता है। हाल ही में, नेक्सॉन ईवी और पंच ईवी दोनों का भारत एनसीएपी ने क्रैश टेस्ट किया है जिसमें दोनों एसयूवी को 5-स्टार रेटिंग मिली है। दोनों एसयूवी में इको, सिटी और स्पोर्ट मोड जैसे मल्टी-ड्राइव मोड भी मिलते हैं। इनमें मल्टी-मोड रीजेनरेटिव ब्रेकिंग के 4 लेवल भी मिलते हैं।टाटा पंच ईवी की कीमत 10.99 लाख रुपये से 15.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है, और यह सिट्रोएन ईसी3 से टक्कर लेती है, जबकि यह टाटा टियागो ईवी और एमजी कॉमेट ईवी का एक प्रीमियम विकल्प भी है। दूसरी ओर, टाटा नेक्सान ईवी की कीमत 14.49 लाख रुपये से 19.49 लाख रुपये के बीच है और यह एमजी ज़ेडएस ईवी और ह्यूंदै कोना इलेक्ट्रिक के किफायती विकल्प के रूप में काम करते हुए सीधे तौर पर महिंद्रा एक्सयूवी 400 ईवी को टक्कर देती है। बता दें कि अगर इलेक्ट्रिक वाहनों की बात की जाए टाटा मोटर्स इस सेगमेंट में मार्केट लीडर है। मौजूदा समय में कंपनी भारतीय बाजार में चार इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री कर रही है। कंपनी की इलेक्ट्रिक व्हीकल लाइनअप में हैचबैक और कॉम्पैक्ट सेडान से लेकर कॉम्पैक्ट एसयूवी तक शामिल है। इस वजह से टाटा मोटर्स को कम्पटीशन के मुकाबले एडवांटेज मिलती है।

साल 2030 तक 2 लाख करोड़ निवेश करेंगी दिग्गज वाहन कंपनियां

नई दिल्ली ।

देश के अग्रणी यात्री वाहन निर्माताओं ने अगले कुछ साल में 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के निवेश का खाका तैयार किया है। वाहन दिग्गजों जैसे टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी इंडिया, ह्युंडै मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, निसान मोटर कॉरपोरेशन और रेनो एसए ने उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी, वाहनों के विकास पर बड़े निवेश के अलावा और स्वच्छ व पर्यावरण अनुकूल तकनीक को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। पिछले हफ्ते इलेक्ट्रिक वाहन में भारत की अग्रणी टाटा मोटर्स ने कहा था कि वह वित्त वर्ष 2030 तक अपनी ईवी इकाई में 16 से 18,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च की योजना बना रही है। कंपनी का इरादा मार्च 2026 तक छह और मॉडल उतारने का है। पिछले तीन साल में टाटा मोटर्स के लिए बिक्री दमदार रहीपिछले तीन साल में टाटा मोटर्स के लिए बिक्री दमदार रही है और यह वित्त वर्ष 2021-22 के 3.72 लाख के मुकाबले वित्त वर्ष 2022-23 में 5.41 लाख और वित्त वर्ष 2023-24 में 5.73 लाख वाहन पर पहुंच गई। भारतीय यात्री वाहन बाजार वित्त वर्ष 30 तक 60 लाख वाहन पर पहुंचने की संभावना है, जो वित्त वर्ष 24 में 43 लाख रहा है। कोरियाई वाहन दिग्गज ह्युंडै मोटर ने अगले 10 साल में 32,000 करोड़ रुपए के निवेश का खाका खींचा है। देसी बाजार में

14.6 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली कोरियाई कंपनी का स्थान भारत में मारुति के बाद दूसरा है, जिसके पास 41.7 फीसदी हिस्सेदारी है।' सियाम के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। मारुति ने साल 2023 में ऐलान किया था कि वह पहली ईवी एसयूवी 2023-24 में उतारेगी। हालांकि अब इसे उतारने की तारीख 2024-25 हो गई है। कुल मिलाकर मारुति का इरादा 2029-30 तक भारत में छह ईवी उतारने का है।

पेटीएम के फिल्म और इवेंट टिकटिंग कारोबार खरीदेगा जोमैटो

नई दिल्ली । पेटीएम अपनी फिल्म और इवेंट टिकटिंग कारोबार को बेचने के लिए फूड डिलिवर कंपनी जोमैटो के साथ बातचीत कर रही है। एक रिपोर्ट में मामले से परिचित सूत्रों के हवाले से बताया कि संकट से जूझ रही फिनटेक कंपनी कमजोर बिक्री के बीच पुनरुद्धार की रणनीति बना रही है। सूत्रों के मुताबिक पेटीएम, जिसे आधिकारिक तौर पर वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता है और ऑनलाइन फूड डिलीवरी फर्म जोमैटो के बीच चर्चा एडवांस स्टेज में है। हालांकि इस डील के लिए अन्य दावेदार भी हैं। सूत्रों ने कहा कि बातचीत चल रही है और कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। पेटीएम के एक अे धिकारी ने पिछले महीने अपने पहले बिक्री गिरावट की सूचना दी और गैर-प्रमुख संपत्तियों को कम करने का वादा किया। इसके साथ ही नौकरी में कटौती की चेतावनी भी दी, जो पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) पर नियामक कार्रवाई के परिणामस्वरूप उत्पन्न हुई है, जिससे फिनटेक के व्यापार का अधिकांश हिस्सा प्रभावित हुआ है और इसे ऋणदाताओं के साथ नई साझेदारी बनाने के लिए मजबूर किया है। पेटीएम पीपीबीएल को नियंत्रित नहीं करता है लेकिन इस साल की शुरुआत में केंद्रीय बैंक के कदम से पहले डिजिटल वॉलेट और भुगतान ट्रैफिक के लिए उस पर निर्भर था। पेटीएम और जोमैटो ने नियमित व्यावसायिक घंटों के बाहर टिप्पणी के अनुरोधों का जवाब नहीं दिया।

अडाणी की कंपनी के साथ हुई ग्रीन हाइड्रो प्लांट के लिए डील

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी इस समय भूटान के दौरे पर हैं। आज यानी 17 जून को अदाणी ने बताया कि उन्होंने भूटान के प्रधान मंत्री शेरिंग टोबगे से मुलाकात की और चुखा प्रांत में 570 मेगावाट जलविद्युत प्लांट के लिए भूटान के ड्रुक ग्रीन पावर कॉरपोरेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। अदाणी ने इस दौरान किंग जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के विजन के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए भूटान के प्रयासों की सराहना की और कहा कि वे भूटान में हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट लगाने और अन्य प्रोजेक्ट्स पर मिल रहे सहयोग से काफी उत्सुक हैं। गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भूटान के महामहिम किंग खेसर नमगेल वांकचुक से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। भूटान के लिए उनके विजन, बड़े कंप्यूटिंग सेंटर्स और डेटा फैसिलिटीज सहित गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी के लिए महत्वाकांक्षी पर्यावरण अनुकूल मास्टरप्लान से प्रेरित हूं। इन परिवर्तनकारी पहलों के साथ-साथ कार्बन निगेटिव राष्ट्र के लिए ग्रीन एनर्जी मैनेजमेंट पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हूं! आज यानी 17 जून के बकरीद के चलते शेयर बाजार बंद हैं। अंतिम कारोबारी दिन के मुताबिक, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयर 0.41 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,805 रुपये पर बंद हुए थे। अदाणी ग्रीन के शेयरों ने एक साल में निवेशकों को करीब 89 फीसदी का रिटर्न दिया है।

ब्रिटेन भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना

- पिछले साल मई में ब्रिटेन भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था

नई दिल्ली ।

ब्रिटेन मई में चीन को पीछे छोड़कर भारत का चौथा सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया। पिछले साल मई में वह भारत का छठा सबसे बड़ा निर्यात बाजार था। वाणिज्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मई में भारत से ब्रिटेन को निर्यात लगभग एक तिहाई बढ़कर 1.37 अरब डॉलर हो गया और चीन का निर्यात 1.33 अरब डॉलर ही रहा। मई में भारत का वस्तु निर्यात 9.13 फीसदी बढ़कर 38 अरब डॉलर हो गया। वैश्विक मांग में उतार-चढ़ाव और अर्थव्यवस्थाओं की रफ्तार कम होने से पिछले कई महीनों तक निर्यात में सुस्ती रही थी मगर मई में अच्छी वृद्धि हुई। अमेरिका को निर्यात में 13 फीसदी इजाफा हुआ और वह भारत का सबसे बड़ा निर्यात साझेदार बना रहा। उसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को निर्यात में 19 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई। नीदरलैंड भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात साझेदार है और मई में वहां के लिए निर्यात 44 फीदी चढ़कर 2.19 अरब डॉलर हो गया। भारत से चीन को निर्यात में पिछले महीने केवल 3 फीसदी इजाफा हुआ। सऊदी अरब को निर्यात में 8.46 फीसदी, सिंगापुर को 4.64 फीसदी, बांग्लादेश को 13.47 फीसदी, जर्मनी को 6.74 फीसदी और फ्रांस को निर्यात में 36.94 फीसदी बढ़ोतरी रही। भारत ने जिन 10 देशों से सबसे ज्यादा आयात करता है, उनमें से केवल 2 देशों से आयात में कमी आई। मई में सऊदी अरब से आयात में 4.11 फीसदी और स्विट्जरलैंड से आयात में 32.33 फीसदी कमी दर्ज की गई। मई में भारत का कुल वस्तु आयात 7.7 फीसदी बढ़कर 61.91 अरब डॉलर हो गया। रूस से होने वाला आयात 18 फीसदी बढ़कर 7.1 अरब डॉलर हो गया, जिसकी बड़ी वजह वहां के तेल पर भारत की निर्भरता है। चीन के बाद भारत सबसे ज्यादा आयात इसी देश से करता है और यह सिलसिला मई में भी जारी रहा। पिछले महीने चीन से आयात 2.81 फीसदी बढ़कर 8.48 अरब डॉलर हो गया। स्विट्जरलैंड से मुख्य तौर पर सोने का आयात होता है। मई में वहां से भारत को आयात करीब एक तिहाई घटकर 1.52 अरब डॉलर रह गया। मई में अमेरिका से आयात 0.4 फीसदी, यूएई से 18 फीसदी, इराक से 58.68 फीसदी, दक्षिण कोरिया से 13 फीसदी और सिंगापुर से आयात 8.78 फीसदी बढ़ा।

कोयला आयात कम करने कोयला क्षेत्र में होगा सुधार

- मंत्रालय बना रहा कोकिंग कोल उत्पादन बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली ।

देश में कोयला आयात कम करने के लिए सरकार कोयला क्षेत्र में सुधार का तीसरा दौर शुरू करने वाली है। इसका उद्देश्य आयात में भारी कमी करना और उद्योगों के लिए कोयले की बेरोक उपलब्धता सुनिश्चित करना है। 1971 में कोयले का राष्ट्रीयकरण होने और वर्ष 2015 में ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसे सुधारों का तीसरा दौर माना जा रहा है, जिसमें इस्पात जैसे क्षेत्रों का खास ध्यान रखा जाएगा। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार सबसे पहले नई फॉरवर्ड बिडिंग नीलामी शुरू करेगी, जिसमें देसी कोकिंग कोल की नीलामी दो तरीकों से होगी। मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि पहला तरीका उन इस्पात संयंत्रों के लिए उपयोग होगा जिनमें वॉशरी (कोयला धुलाई संयंत्र) भी है। दूसरा रास्ता उन इस्पात संयंत्रों के लिए होगा, जिनमें वॉशरी ही नहीं है। जो कारखाने अपना कोयला खुद धोएंगे, उन्हें उससे निकले उत्पाद भी बेचने की इजाजत होगी। अधिकारी ने कहा कि इसके लिए कोयला मंत्रालय नीलामी में बोली लगाने वालों से यह पाबंदी हटा देगा कि आखिर में कोयले का उपयोग कहां किया जा रहा है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सात सहायक इकाइयों में एक भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) इस काम के लिए वॉशरी लगाएगी। बीसीसीएल देश में कोकिंग कोल का खनन करने वाली सबसे बड़ी कंपनी है। जेएसडब्ल्यू स्टील के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम उन वॉशरी की नीलामी की बात कर रहे हैं, जिन पर कोकिंग कोयला आता है और नई वॉशरी की लिए लंबे अरसे तक कोकिंग कोयला उपलब्ध कराने की बात कर कर रहे हैं। इस नीलामी से इस्पात क्षेत्र को देश में निकला कोयला मिलता रहेगा और विदेश से आने वाले कोयले पर उसकी निर्भरता कम हो जाएगी।

देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। आपको बता दे कि देश के महानगरों में राजधानी दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में सोमवार को पेट्रोल और डीजल के कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है तो वहीं कुछ राज्यों में इसकी कीमतें बढ़ गई हैं। राज्य स्तर पर झारखंड, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल में सोमवार को पेट्रोल-डीजल के भाव कम हो गए हैं। जबकि हिमाचल, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब और राजस्थान में पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गई हैं। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर है।

सैमसन , यशस्वी सहित इन चार क्रिकेटरों को सुपर आठ में भी अवसर मिलना मुश्किल

बारबडोस (एजेंसी)। भरतीय क्रिकेट टीम के चार खिलाड़ियों को अब तक टी20 विश्वकप में अवसर नहीं मिला है। अब सुपर आठ में इन खिलाड़ियों में से किसी एक को अवसर मिलना कठिन दिख रहा है। भारतीय टीम को सुपर-8 में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। विश्वकप में अब तक संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को एक भी मैच खेलने को नहीं मिला है। जिस प्रकार टीम ने अब तक खेला है। उसको देखते हुए उसमें बदलाव की उम्मीद नहीं है। ऐसे में लगता है कि इन खिलाड़ियों को बाहर ही बैठना पड़ सकता है। भारतीय टीम को अब अपने सभी मैच वेस्टइंडीज में खेलने हैं। इसकी पिचों पर स्पिनरों को सहायता मिलती है, उसे देखते हुए केवल कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल में से किसी एक को अवसर मिल सकता है पर उसके लिए अक्षर पटेल आर रविन्द्र जडेजा में से किसी एक हो हटना होगा जो अभी कठिन नजर आता है।

यशस्वी जायसवाल: सलामी बल्लेबाजी यशस्?वी जायसवाल को इस बार मिलना संभव नहीं है क्योंकि विराट कोहली अभी रोहित शर्मा के साथ पारी शुरु कर रहे हैं। विराट को शायद ही एक बार फिर नंबर-3 पर खेलने को भेजा जाये। ऐसे में यशस्वी को आगे भी अवसर मिलना कठिन दिख रहा है।

संजू सैमसन: विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन को टीम इंडिया में शामिल किया गया था पर जिस प्राकर से ऋषभ पंत ने विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी की है उसको देखते हुए उन्हें बाहर करना संभव नजर नहीं आता। इसलिए सैमसन को अवसर मिलना संभव नहीं दिखता।

कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल: स्पिनर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल अब तक टीम इंडिया के साथ बेंच पर बैठे हुए ही नजर आए। अमेरिका की पिचों पर तेज गेंदबाजों को ज्?यादा मदद मिलने के कारण इन्हें अवसर नहीं मिला। अब कैरिबियाई पिचों को देखते हुए एक अतिरिक्त स्पिनर को मौका दिया जा सकता है. लेकिन फिर भी चहल और कुलदीप में से किसी एक को मौका मिलना मुश्किल नजर आता है।

चिंता की बात नहीं... जब जरुरत होगी कोहली ठोंक देगा रन

– भारतीय बल्लेबाजी कोच ने दिया जबाव

लॉडरहिल (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में विराट कोहली का लगातार खराब फॉर्म कोई चिंता की बात नहीं है, क्योंकि वह नेट पर शानदार फॉर्म में हैं। वे सुपर आठ से पहले कहीं ज्यादा जोश में दिख रहे हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कोहली ने अब तक आयरलैंड, पाकिस्तान और यूएसए के खिलाफ क्रमश-1, 4 और 0 रन बनाए हैं। राठौर ने कहा, मुझे अच्छा लगता है जब मैं आता हूं, तब हर बार विराट कोहली के बारे में सवाल पूछा जाता है कि वह अच्छा कर रहे हैं या नहीं। बिल्कुल भी चिंता की बात नहीं है। वह (कोहली) जिस टूर्नामेंट (आईपीएल) से आया है, उससे शानदार बल्लेबाजी कर रहा है। यहां कुछ आउट होने से कुछ नहीं बदलता, वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है।

राठौर को भरोसा है कि कोहली तब अच्छा प्रदर्शन करेगा जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत होगी। उन्होंने कहा, वास्तव में, यह अच्छा है कि वह थोड़ा भूखा है, वह वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक है और वास्तव में तैयार है। बल्लेबाजी कोच ने शिवम दुबे और अक्षर पटेल सहित चार ऑलराउंडर खेलना तय है या नहीं, इस सवाल को टाल दिया। उन्होंने कहा, फिर से हमें एक लचीली टीम बनने की जरूरत है। हमें उन परिस्थितियों को देखने की जरूरत है जो हमारे सामने हैं और उनसे निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसलिए एक टीम के रूप में मुझे लगता है कि हम वास्तव में लचीले होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम उस दिन जो भी परिस्थितियां होंगी, उसके हिसाब से टीम का चयन करना चाहते है। हमारी टीम में किसी भी तरह की परिस्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। उन्होंने कहा कि सुपर आठ से पहले फ्लोरिडा में कुछ खेल का समय निश्चित रूप से मददगार होता। राठौर ने कहा, लेकिन अगर खेल होता तब इससे हमें वास्तव में मदद मिलती। हम वास्तव में खेल खेलने, क्रिकेट का अच्छा खेल खेलने के लिए उत्सुक थे।

गंभीर के मुख्य कोच बनते ही भारतीय टीम में बदलाव तय

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर का भारतीय टीम का अगला मुख्य कोच बनना तय नजर आ रहा है। वर्तमान मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्वकप के साथ ही समाप्त हो जाएगा। माना जा रहा है कि जून के अंतिम सप्ताह में बीसीसीआई गंभीर की नियुक्ति को लेकर आधिकारिक घोषणा करेगी। माना जा रहा है कि बीसीसीआई ने कोच पद स्वीकार करने को लेकर गंभीर की शर्तों को मान लिया है। गंभीर की मांग थी की उन्हें टीम पर पूरा नियंत्रण मिलना चाहिये। इसके साथ ही सहयोगी स्टाफ भी उनकी पसंद का ही रहेगा। इसके अलावा खराब प्रदर्शन कर रहे सीनियर खिलाड़ियों को बाहर करने के भी अधिकार उन्हें दिये जायें। टेस्ट के लिए वह अलग टीम बनाने के साथ ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए अभी भी योजना बनाएंगे।

गंभीर के कोच बनते ही टीम में बड़े बदलाव होने तय है। वहीं कहा जा रहा है कि चार अनुभवी खिलाड़ियों को भी किसी न किसी प्रारुप से बाहर होना पड़ सकता है। ये हैं विराट कोहली, रोहित शर्मा रविन्द्र जाडेजा और मोहम्मद शमी।

विराट कोहली : साल 2008 में अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत करने वाले विराट ने भारत को कई मैच जिताए हैं और सभी प्रारुपों में जमकर रन बनाये हैं पर गंभीर का मानना है कि अब विराट को सिर्फ टेस्ट और वनडे फॉर्मेट पर ही फोकस करना चाहिए। टी-20 में नए खिलाड़ियों को मौका मिलने की जरूरत है।

रोहित शर्मा : भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भारत के लिए 2007 में डेब्यू किया था। विराट की कप्तानी छोड़ने के बाद उन्हें कप्तान बनाया गया। फिलहाल वह तीनों फॉर्मेट में भारत की अगुवाई कर रहे हैं। वैसे भी बीते कई साल से टी-20 फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। ऐसे में गंभीर के आने से वह इस प्रारुप से बाहर हो सकते हैं।

रविंद्र जडेजा : रविंद्र जडेजा सफेद गेंद प्रारुप में भारतीय टीम में बिना विशेष प्रदर्शन के ही चयनित होते जा रहे हैं। 2022 टी-20 विश्व कप, 2023 वनडे विश्व कप, मौजूदा टी-20 विश्व कप पिछले हर बड़े टूर्नामेंट में जडेजा ने निराश किया है। अब वह केवल स्वदेश में टेस्ट ही खेलने के लायक है और ऐसे में गंभीर के कार्यकाल में जडेजा बाहर हो सकते हैं।

मोहम्मद शमी- गंभीर शमी को टेस्ट में लगातार खिलाना चाहते हैं। साथ ही 2027 एकदिवसीय विश्व कप पर भी उनकी नजर हैं। ऐसे में अब कार्यभार प्रबंधन के तहत शमी को टी-20 टीम से

टी20 विश्वकप के सुपर मुकाबले 19 जून से , भारत का पहला मुकाबला अफगानिस्तान से होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेंट लूसिया (ईएमएस)। टी20 विश्वकप में अब 19 जून से सुपर आठ मुकाबले शुरु होंगे। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सुपरआठ मे पहुंची हैं। इस प्रकार चार ग्रुप से आठ टीमें सुपर आठ में पहुंची हैं। इसमें ग्रुप एक से भारत और अमेरिका जबकि ग्रुप-बी से ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड। वहीं ग्रुप-सी-से अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज जबकि ग्रुप-डी से दक्षिण अफ्रीका व बांग्लादेश की टीमें शामिल हैं। सुपर-8 के ग्रुप एक में भारत, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें हैं जबकि ग्रुप-2 में अमेरिका इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीम है। सुपर आठ मुकाबलों की शुरुआत 19 जून से अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबलों से शुरु होगी।

भारतीय टीम सुपर-8 चरण में खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 22 जून को एंटीगा में बांग्लादेश से उसका मुकाबला होगा। 24 जून को भारतीय मैच खेलेगी। ये सभी मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से शुरु होंगे।

सुपर-8 के मैचों का कार्यक्रम

19 जून-अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका, एंटीगा, रात 8 बजे
20 जून-इंग्लैंड और वेस्टइंडीज, सेंट लूसिया, सुबह 6 बजे
20 जून-अफगानिस्तान और भारत, बारबाडोस, रात 8 बजे
21 जून-ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश, एंटीगा, सुबह 6 बजे
21 जून-इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, सेंट लूसिया, रात 8 बजे
22 जून-अमेरिका और वेस्टइंडीज, बारबाडोस, सुबह 6 बजे
22 जून-भारत और बांग्लादेश, एंटीगा, रात 8 बजे
23 जून-अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया, सेंट विंसेंट, सुबह 6 बजे
23 जून-अमेरिका और इंग्लैंड, बारबाडोस, रात 8 बजे
24 जून-वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका, एंटीगा, सुबह 6 बजे
24 जून-ऑस्ट्रेलिया और भारत, सेंट लूसिया, रात 8 बजे
25 जून-अफगानिस्तान और बांग्लादेश, सेंट विंसेंट, सुबह 6 बजे
27 जून-सेमीफाइनल 1, गुयाना, सुबह 6 बजे
27 जून-सेमीफाइनल 2, त्रिनिदाद, रात 8 बजे
29 जून-फाइनल, बारबाडोस, रात 8 बजे ।

मैदानी कवर न रखने वाले स्टेडिमयमों में मैच नहीं रखें : गावस्कर

फ्लोरिडा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने मैदानी कवर न रखने वाले स्टेडिमयमों में मैच नहीं रखने को कहा है। टी20 विश्व कप में बारिश के कारण कुछ मैच नहीं हो पाये क्योंकि मैदान गीले थे। इसी को देखते हुए गावस्कर ने ये बात कहीं है। इसमें भारत और कनाडा का मुकाबला एक भी गेंद फेंके बिना ही रद्द कर दिया गया था। यह बारिश के कारण रद्द होने वाला लगातार तीसरा मैच है। गावस्कर ने इसी को देखते हुए एक शो के दौरान कहा कि आईसीसी को उन मैचों की मेजबानी नहीं करनी चाहिए जहां पूरे मैदान को कवर करने के लिए कोई कवर नहीं है। साथ ही कहा कि आप केवल पिच को कवर करके ही मैच नहीं करा सकते हैं। मैदान के अन्य हिस्सों को भी गीला होने से बचाना होगा। फ्लोरिडा में पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश के कारण स्टेडिममों में आउटफील्ड गीली हो गई थी।

जल्द ही टी20 में एक-दूसरे के खिलाफ खेलेगी स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रेलिया

एडिनबर्ग । स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रेलिया जल्द ही टी20 सीरीज खेलेगी। महीने के अंत में इंग्लैंड दौरे से पहले ऑस्ट्रेलिया टीम 4, 6 और 7 सितंबर को द ग्रेंज, एडिनबर्ग में स्कॉटलैंड के खिलाफ तीन टी20 मैच खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार वनडे मैच खेलने के लिए 2013 में स्कॉटलैंड का दौरा किया था, जहां उन्होंने 200 रन की बड़ी जीत हासिल की थी।

क्रिकेट स्कॉटलैंड के मुख्य ट्रुडी लिंडब्लेड ने कहा कि स्कॉटिश क्रिकेट को सभी स्तरों पर बेहतर बनाने के लिए काम हो रहा है, और मैं उनके निरंतर समर्थन के लिए सभी को धन्यवाद देता हूं क्योंकि साथ मिलकर हम हर दिन स्कॉटिश क्रिकेट को बेहतर बनाने में जुटे हुए हैं। हमें अपने स्वयंसेवकों, कोचों, प्रशासकों के काम पर गर्व है। अब तक स्कॉटलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ 5 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली हैं। उनके सभी मैच वनडे रहे हैं। स्कॉटलैंड के कप्तान रिची बेरिंगटन ने टी20ई श्रृंखला में ऑस्ट्रेलियाई टीम का सामना करने की संभावना पर कहा कि गर्मियों के अंत में इस घरेलू श्रृंखला का आयोजन शानदार है। मैं भाग्यशाली था। जब आखिरी बार 2013 में ऑस्ट्रेलिया ने दौरा किया था, तब भी अपनी टीम के लिए खेला था।

एकदिवसीय शतकों के मामले में हरमनप्रीत से आगे निकलीं मंधाना

बेंगलुरु । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज मंधाना ने यहां दक्षिण अफीकी टीम के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 117 रनों की शतकीय पारी खेलने के साथ ही कप्तान हरमनप्रीत कौर का एक रिकार्ड तोड़ दिया। स्मृति ने मैच में 127 गेंदों पर 117 रन बनाए जो इस प्रारूप में उनका छठा शतक है। इससे भारतीय टीम ने आठ विकेट पर 265 रन बनाये। स्मृति का यह स्वदेश में पहला शतक भी है। स्मृति ने इसी के साथ हरमनप्रीत के एकदिवसीय में लगाए पांच शतकों का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। स्मृति के अब एकदिवसीय प्रारुप में छह शतक हो चुके हैं। भारत की ओर से एकदिवीसय में सबसे ज्यादा शतक पूर्व कप्तान मिथाली राज के हैं। मिताली ने अपने करियर में सात शतक लगाये थे। वहीं स्मृति ने कहा कि मुझे पता था कि मैंने भारत में शतक नहीं बनाया है, पर जब मैं बल्लेबाजी कर रही थी तो यह बात मेरे दिमाग में नहीं आई। मुझे इस बात की खुशी है कि हमने 260 से अधिक रन बनाये। स्मृति ने जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के माध्यम से आखिरी बार प्रारूप खेलने के बाद एकदिवसीय खेलने के लिए की गई तैयारी को लेकर कहा कि लंबे समय के बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेलते हुए नेट्स पर अपने शॉट्स को नियंत्रण में रखना कठिन था।

कप्तानी छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है, यह फैसला पीसीबी का है: बाबर आजम

फोर्ट लाउडरहिल (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण से बाहर होने के बाद आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उन्होंने कप्तानी छोड़ने के बारे नहीं सोचा है और इस बारे में कोई फैसला पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से बातचीत के बाद किया जायेगा। पिछले टी20 विश्व कप (2022) के उपविजेता पाकिस्तान को ग्रुप ए में अपने शुरुआती दो मैचों में अमेरिका और भारत से शिकस्त का सामना करना पड़ा, जिससे टीम सुपर आठ चरण में जगह बनाने में विफल रही।

एकदिवसीय विश्व कप (2023) के बाद टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में बाहर होने के कारण भारी आलोचना का सामना कर रहे पाकिस्तान के कप्तान से जब आयरलैंड के खिलाफ खेले गये मैच के बाद पूछा गया कि क्या उनकी इस्तीफा देने की कोई योजना है, तो उन्होंने पलटवार किया। आयरलैंड को तीन विकेट से हराने के बाद बाबर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''जब मैं वापस जाऊंगा (पाकिस्तान) तो हम उन सभी चीजों पर चर्चा करेंगे जो यहां हुई हैं। अगर मुझे कप्तानी छोड़नी होगी, यह फैसला, मैं आपको खुलकर बताऊंगा। मैं पर्दे के पीछे कुछ भी घोषणा नहीं करूंगा। जो कुछ भी होगा वह सब के सामने होगा।''

बाबर ने कहा कि पीसीबी ने उन्हें फिर से कप्तानी सौंपी थी और इसके जारी रखने पर कोई भी फैसला उन्हीं का होगा। उन्होंने कहा, ''मैंने इसके बारे में नहीं सोचा है। निर्णय पीसीबी का है।'' उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी भी नेतृत्व की भूमिका की मांग नहीं की है। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, '' कप्तानी के बारे में बात करें तो जब मैंने इसे (वनडे विश्व कप के बाद) छोड़ा था, तो मैंने सोचा था कि अब मुझे यह नहीं करना चाहिए, इसलिए मैंने इसे छोड़ दिया और मैंने खुद इसकी घोषणा की। फिर जब उन्होंने इसे मुझे वापस दिया, तो यह यह पीसीबी का निर्णय था।''

इस दौरान बार-बार कप्तानी को लेकर सवाल पूछे जाने से बाबर झल्ला गए और उन्होंने निराशाजनक अंदाज में कहा कि टीम की हार के लिए सिर्फ उन्हें बलि का बकरा नहीं बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, '' हर कोई निराश है। हम एक टीम के तौर पर अच्छा नहीं खेले। मैंने आपको पहले भी कहा कि हम किसी एक खिलाड़ी की वजह से नहीं हारे हैं।''

बाबर ने कहा, '' हम एक टीम के तौर पर हारे हैं। मैं कप्तान हूं इसलिए आप बार-बार मेरे ऊपर उंगली उठा रहे हैं, मै सभी खिलाड़ी की जगह नहीं खेल सकता। टीम में 11 खिलाड़ी होते हैं और हर किसी की अपनी भूमिका होती है।'' उन्होंने कहा, '' मुझे लगता है कि एक टीम के रूप में हम चीजों को लागू करने, उसका पालन करने और सही तरीके से खत्म करने में सक्षम नहीं रहे हैं। हमें शांत होकर यह स्वीकार करना होगा कि हम एक टीम के रूप में अच्छा नहीं खेल सके।

52 वर्षीय महिला धाविका नताली ने 1,000 किमी रेस पूरी कर रिकार्ड बनाया

–सबसे तेजी से मलेशियाई प्रायद्वीप को पर किया

सिंगापुर सिटी । 52 साल की धाविका नताली डाउ ने भीषण गर्मी के बाद भी 12 दिन में 1,000 की दौड़ पूरी कर एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। नताली ने थाईलैंड, मलेशिया और सिंगापुर को पार करते हुए 12 दिनों में 1,000 किलोमीटर की दौड़ लगायी। इस दौरान ये धाविका भीषण गर्मी और कूल्हे की गंभीर चोट से भी परेशान थी पर उसने हौंसला नहीं खोया और हर दिन दो मैराथन के बराबर दौड़ीं। नताली की ये यात्रा 5 जून को सिंगापुर में खत्म हुई। इस असाधारण उपलब्धि के कारण उसे सबसे तेज़ 1,000 किमी थाईलैंड-सिंगापुर अल्ट्रामैराथन के लिए सिंगापुर का रिकॉर्ड मिला। इसके अलावा सबसे तेज़ गति से मलेशिया प्रायद्वीप को पैदल पार करने के लिए गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से प्रमाण पत्र भी मिलने वाला है। इस धाविका ने कहा, मुझे खेल की चुनौतियां पसंद हैं, इसकी सहजता पसंद है पर मुझे निराशा के क्षण पसंद नहीं हैं। हालांकि ये अक्सर आते रहते हैं। इस धाविका की दौड़ के कारण वैश्विक चैरिटी जीआरएलएस के लिए 50,000 डॉलर से अधिक की राशि एकत्र हुई है। चैरिटी जीआरएलएस खेलों के जरिये से महिलाओं और लड़कियों का समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य उनके नेतृत्व कौशल को विकसित करना है। उन्होंने कहा, चाहे आप पहले स्थान पर आएं या आखिरी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आपने कुछ ऐसा किया है जो लगभग अलौकिक है, ऐसा कुछ जो दुनिया की 0.05फीसदी आबादी कभी नहीं करेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ये यात्रा बेहद कठिन थी। 35 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में दौड़ने के कारण उनके जूते तक पिघल गए और पहले ही दिन से उन्हें कूल्हे में चोट लग गई। तीसरे दिन तक उन्हें मूत्र मार्ग में संक्रमण हो गया। हालांकि उसने ने इन चुनौतियों का सामना किया। हर दिन, उन्होंने कम से कम 84 किलोमीटर की दूरी तय की।

पाकिस्तान ने आयरलैंड को तीन विकेट से हराकर जीत से अभियान खत्म किया

लॉडरहिल (एजेंसी)। पाकिस्तान ने शाहीन शाह अफरीदी की अगुआई में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान बाबर आजम की नाबाद 32 रन की पारी से रविवार को यहां टी20 विश्व कप के बेमानी ग्रुप मैच में आयरलैंड को तीन विकेट से हराकर सांत्वना भरी जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने शानदार गेंदबाजी से आयरलैंड को 20 ओवर में नौ विकेट पर 106 रन ही बनाने दिये। पर आयरलैंड ने भी अपने गेंदबाजों की बदौलत यह लक्ष्य पाकिस्तान के लिए चुनौतीपूर्ण बना दिया जिसने 18.5 ओवर में सात विकेट पर 111 रन बनाकर जीत दर्ज की।

आजम (34 गेंद में दो चौके) अंत तक क्रीज पर रहे जबकि शाहीन शाह अफरीदी ने पांच गेंद में दो छक्के से नाबाद 13 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी। दोनों टीमें पहले ही सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गयी थीं जिससे यह ग्रुप मैच केवल औपचारिकता भरा था। आयरलैंड की टीम ग्रुप में एक भी जीत हासिल नहीं कर सकी। आयरलैंड के लिए बैरी मैकार्थी ने चार ओवर में एक मेडन से 15 रन देकर तीन विकेट झटके। कर्टिस कैम्फर ने दो जबकि मार्क एडेयर और बेन वाइट ने एक विकेट हासिल किया। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (17) और सैम अयूब (17) पावरप्ले में आउट हो गये।

कप्तान बाबर एक छोर पर डटे रहे जबकि दूसरे छोर पर फखर जमां (05), उस्मान खान (02), शादाब खान (शून्य) आकर चलते बने। अब्बास अफरीदी ने बाबर का अच्छा साथ निभाया और 21 गेंद में 17 रन बनाकर आउट हुए। फिर शाहीन शाह अफरीदी ने आते ही अपनी तीसरी गेंद खेलते हुए छक्का जड़ दिया। फिर दूसरा छक्का लगाकर टीम को जीत दिलायी। इससे पहले सीम और स्विंग के शानदार प्रदर्शन में शाहीन शाह अफरीदी (चार ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट), मोहम्मद आमिर (11 रन देकर दो विकेट) और हारिस राऊफ (17 रन देकर एक विकेट) की तिकड़ी ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाकर आयरलैंड के पावरप्ले में 32 रन पर छह विकेट झटक लिये थे।

बायें हाथ के स्पिनर इमाद वसीम ने फिर चार ओवर में आठ रन देकर तीन विकेट झटके। आयरलैंड के लिए गेरेथ डेलानी 31 रन बनाकर शीर्ष स्कोर रहे जिन्होंने 19 गेंद की पारी के दौरान तीन छक्के और एक चौका जड़ा। मार्क एडेयर (15) और जॉर्ज डॉकरेल (11) दोहरे अंक का स्कोर बनाने वाले अन्य खिलाड़ी रहे। दसवें नंबर के खिलाड़ी जोश लिटिल ने आयरलैंड को 100 रन के पार कराया और 22 रन बनाकर नाबाद रहे। आयरलैंड की शुरूआत काफी खराब रही, दूसरे ओवर में टीम का स्कोर चार रन पर तीन विकेट था। शाहीन शाह अफरीदी ने पहली तीन गेंद में एंड्रयू बालबिर्नी (शून्य) और लोकरान टकर (02) के विकेट झटक लिये। आमिर ने फिर आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टरलिंग (01) का विकेट झटका। हैरी टैक्टर अगली गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी का शिकार हुए जिससे तीन ओवर में 15 रन के स्कोर पर चौथा विकेट गिरा।

पावो नूरमी खेलों से ओलंपिक की तैयारियों की शुरुआत करेंगे नीरज चोपड़ा

तुर्कू। मामूली चोट से उबरने के लिए कुछ समय तक आराम करने वाले ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा मंगलवार को यहां पावो नूरमी खेलों में भाग लेकर पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारियों की शुरुआत करेंगे। चोपड़ा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को जर्मनी के किशोर एथलीट मैक्स डेहनिंग की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है जो 90 मीटर तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ियों की सूची में सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी को ओलंपिक में चोपड़ा के लिए कड़ा प्रतिस्पर्धी माना जा रहा है। उनके अलावा इस एक दिवसीय प्रतियोगिता में स्थानीय खिलाड़ी ओलिवर हेलैंडर भी अपनी चुनौती पेश करेंगे जिन्होंने यहां 2022 में चोपड़ा को पीछे छोड़कर स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय खिलाड़ी ने 2022 में 89.30 मीटर भाला फेंक कर रजत पदक जीता था। यह उनका तब व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी था। उन्होंने उसी वर्ष डायमंड लीग के स्टोकहोम चरण में 89.94 मीटर भाला फेंक कर इसमें सुधार किया था। ग्रेनेडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 2012 ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। चोपड़ा जांघ की मांसपेशियों में हल्के दर्द के कारण पिछले महीने ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक प्रतियोगिता से हट गए थे। दोहा डायमंड लीग से अपने सत्र की शुरुआत करने वाले चोपड़ा पावो नूरमी खेलों के बाद सात जुलाई को पेरिस डायमंड लीग में भाग लेंगे।

पांड्या और पंत का प्रदर्शन भारत के लिए सबसे सकारात्मक पहलू : हरभजन सिंह

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। नई दिल्ली -टी20 विश्व कप के ग्रुप चरण में भारत के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि हार्दिक पांड्या का उम्मीद से बेहतर गेंदबाजी प्रदर्शन और ऋषभ पंत का तीसरे नंबर पर बल्ले से उपयोगी योगदान टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक चीजों में शामिल हैं। भारत ने आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को हराकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। कनाडा के खिलाफ टीम का आखिरी मैच गीली आउटफील्ड के कारण रद्द हो गया था।

हरभजन ने कहा, 'टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात यह है कि हार्दिक पांड्या विकेट चटका रहे हैं। अगर आप उनके विकेटों की संख्या पर नजर डालें तो उन्होंने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है।' विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग में पांड्या का प्रदर्शन खराब था लेकिन उन्होंने अमेरिका में ग्रुप चरण के तीन मैचों में सात विकेट लेकर अच्छी वापसी की।

पंत दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना में गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। उन्होंने लंबे इलाज और रिहैबिलिटेशन के बाद इस साल आईपीएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की। टी20 विश्व कप में उन्होंने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए मुश्किल पिच पर 124.67 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

हरभजन ने कहा, 'पांड्या के अलावा ऋषभ पंत ने तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी से प्रभावित किया। उनकी भूमिका पूरी तरह से बदल गयी। विश्व कप से पहले हम संजू सैमसन को टीम में शामिल करने के लिए कह रहे थे क्योंकि उन्होंने काफी रन बनाये थे।' हरभजन ने कहा, 'पंत को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कराना बड़ी सकारात्मक बात है। जब वह तीसरे नंबर पर खेलते है तो दायें और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बनता है।' भारत सुपर आठ में अपने अभियान की शुरुआत 20 जून को बारबाडोस में अफगानिस्तान के खिलाफ करेगा। हरभजन ने कहा कि टीम के पास नयी परिस्थितियों की चुनौती का सामना करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'टीम के साथ बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं। बेशक, चुनौतियां और कठिनाई है। लेकिन चुनौतियां उनके सामने आती हैं जो बेखौफ होते हैं। यह निडर खिलाड़ियों की टीम है।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने अच्छा संघर्ष किया (न्यूयॉर्क में मुश्किल पिच पर) और बहुत अच्छा खेले। इस वजह से वे ग्रुप में शीर्ष पर रहे।'

फैशोनेट 2024 में आईआईएफडी के 150 से अधिक छात्रों के डिजाइन किए गए परिधान को पेश किया गया

सुरत भुमि, सूरत। फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र में नामी इंस्टीट्यूट आईआईएफडी सूरत द्वारा हर साल की तरह इस बार भी वार्षिक फैशन शो "फैशोनेट 2024" का सफल आयोजन किया गया। जिसमें इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइनिंग सूरत के 150 से अधिक फैशन डिजाइनिंग के छात्रों द्वारा तैयार किए गए डिजाइनर परिधानों को पेश किया गया।

आईआईएफडी के संस्थापक निदेशक श्री मुकेश माहेश्वरी के साथ संस्थापक श्रीमती पल्लवी माहेश्वरी की उपस्थिति में फैशोनेट -2024 फैशन शो का आयोजन 13 जून को सरसाना के प्लेटिनम हॉल में किया गया था । एक ओर जहां इस साल आईआईएफडी डिजाइन शिक्षा के क्षेत्र में 10 सफल वर्ष पूरे कर रहा हैं । हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 150 से अधिक छात्र डिजाइनरों ने आने वाले सीजन के लिए अपने संग्रह के रूप में अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया टेक्सटाइल्स और ऐपेरल उद्योग ने आईआईएफडी के फैशन छात्रों द्वारा उपयोग की जाने वाली विभिन्न तकनीकों, उपचारों, वैल्यू ऐडिशन, कपड़े में अपरंपरागत परिधान निर्माण तकनीकों को देखा। उभरते डिजाइनरों ने महिलाओं के खिलाफ हिंसा, विटिलिगो जैसी सामाजिक जागरूकता लाने और कैथरीन महल, राम मंदिर और मिलान डुओमो के मुख्य द्वार जैसी वास्तुकला संरचनाओं जैसे दिलचस्प अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित किया है। फैशन इवेंट में सूरत के कपड़ा उद्योग में नवाचारों का इष्टतम उपयोग करते हुए विभिन्न अवसरों के लिए पहनने के लिए तैयार पार्टी पोशाकें भी थीं। वे एक मेगा प्रेजेंटेशन में नाटकीय अवधि की वेशभूषा दिखाते हुए भविष्यवादी कॉसप्ले और अवंत ग्रेड संग्रह भी ला रहे हैं।

आईआईएफडी के छात्रों ने जयपुर में फैशन कनेक्ट में मनीष मल्होत्रा, नीता लुल्ला और माइकल सिन्को जैसे फैशन डिजाइनरों के साथ काम किया है। आईआईएफडी सूरत एक इट-ालियन फैशन कॉलेज, इंस्टीट्यूटो डि मोडा बर्गो, मिलान से जुड़ा है, जहां छात्रों ने आईएमबी मिलान फैशन वीक में भाग लेने के लिए एक संग्रह भेजा है।

शो में कपड़ा उद्योगपति और फैशन प्रोफेशनल्स के साथ सूरत की जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं. लोकप्रिय फैशन डिजाइनर रॉकी स्टार शो के मुख्य जूरी थे ।गौरतलब है कि आईआईएफडी सूरत 2014 में अपनी स्थापना के बाद से ही सुर्खियों में रहा है।

फैशन डिजाइन, इंटीरियर डिजाइन, ग्राफिक डिजाइन और इवेंट मैनेजमेंट में एक गहन पेशेवर बनने के अपने सपने को आगे बढ़ाने के लिए यह शहर के सबसे अच्छे संस्थानों में से एक है।

विश्व सिकल सेल दिवस के हिस्से के रूप में, जिला स्तरीय सिकल सेल दिवस समारोह 19 तारीख को मांडवी में आयोजित किया जाएगा

सूरत। राज्य सरकार के सिकल सेल एनीमिया नियंत्रण कार्यक्रम के तहत हर साल 19 जून को "विश्व सिकल सेल दिवस" मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व सिकल सेल दिवस समारोह मांडवी तालुक में आयोजित होने वाला है। इसके एक भाग के रूप में, 19 तारीख को जिला पंचायत द्वारा मांडवी हाई स्कूल में एक सिकल सेल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा, और उपजिला अस्पताल-मांडवी में लगभग 250 सिकल सेल रोगियों और गर्भवती माताओं के लिए एक चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। साथ ही जिला पंचायत के सरकारी स्कूलों, आश्रम स्कूलों, ईएमआरएस स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की 19 से 24 जून तक सिकल सेल एनीमिया की जांच की जाएगी।

सूरत जिले के सभी 55 पी.ए. केंद्रों, 13 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, 2 उप जिला अस्पतालों में सिकल सेल रोगियों और गर्भवती माताओं की स्वास्थ्य जांच की जाएगी।

विशेष: जिला विकास अधिकारी शिवानी गोयल एवं जनजाति उपयोजना मांडवी ग्रांट प्रशासक एवं मुख्य जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के मार्गदर्शन में सिकल सेल दिवस का सूरत जिला स्तरीय कार्यक्रम 19 को। अनिल पटेल द्वारा आयोजित मांडवी हाई स्कूल मांडवी बस स्टैंड के पास आयोजित की जाएगी। जिसमें जन प्रतिनिधि, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष एवं जिला एवं डी.टी. पंचायत सदस्य मौजूद रहेंगे। इस कार्यक्रम में द मांडवी हाई स्कूल के लगभग 800 बच्चों की सिकल सेल एनीमिया की जांच की जाएगी और सिकल सेल रोगियों की विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा आवश्यक चिकित्सा जांच की जाएगी।

बमरोली विस्तार में लगातार पावर कट होने के कारण जी.ई.बी. को दिया गया आवेदन पत्र

सुरत भुमि, सूरत।

इस भरी भीषण गर्मी में सूरत के बमरोली विस्तार में पिछले 2 महीने से कई सोसाइटी में लगातार बिजली कटने की समस्या चल रही है। लगातार बिजली कट होने के कारण जब लोग फोन करके बिजली विभाग से बिजली जाने की वजह पूछते हैं तो वह कोई ना कोई फॉल्ट बता देते हैं। इस बात की जानकारी लोगों ने सूरत शहर युवक कांग्रेस के पूर्व चौर्यासी विधानसभा प्रमुख अवनीश तिवारी को दिए तो उन्होंने बमरोली विस्तार के लोगों की तरफ से सूरत शहर जिला कांग्रेस समिति द्वारा दक्षिण गुजरात विज कंपनी को एक आवेदन पत्र दिया गया। लोगों का कहना हैं कि 56 से अधिक सोसाइटी इस गर्मी में परेशान हो रहे हैं। इस विस्तार में वायर फ्यूज पेटी ट्रांसफार्मर और बाकी सभी चीज बहुत ही पुरानी हो चुकी है अथवा खराब स्थिति में है इसलिए लोगों का यह भी आवेदन है की जी. ई. बी. द्वारा जल्द से जल्द इन सभी चीजों को बदला जाए अथवा ठीक किया जाए। बिल भरने के लिए लोग घंटो लाइन में खड़े रहते हैं इसलिए लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द उनकी समस्या का समाधान किया जाए। इस समस्या को लेकर बमरोली स्थित जीबी ऑफिस पर अवनीश तिवारी अपने कार्यकर्ताओं के साथ जीबी अधिकारी से बातचीत कर आवेदन दिया।

क्रांतिकारी उपलब्धी : जोगानी रीइन्फोर्समेंट ने भारत में उन्नत कंक्रीट फाइबर के लिए 20 वर्षीय पेटेंट हासिल किया

सुरत भुमि, सूरत।

जोगानी रीइन्फोर्समेंट को उनके मिश्रित कंक्रीट फाइबर के लिए एक नया पेटेंट दिया गया है, जिसे कंक्रीट के महत्वपूर्ण मापदंडों में उल्लेखनीय सुधार करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह पेटेंट अगले 20 वर्षों के लिए वैध होगा। जोगानी रीइन्फोर्समेंट भारत में क्रैक कंट्रोल कंक्रीट उत्पादों के लिए एक अग्रणी नाम है, जिसमें अल्ट्रा हाई परफॉरमेंस कंक्रीट (HPC), बेसाल्ट फाइबर, कार्बन फाइबर और क्षार प्रतिरोधी ग्लास फाइबर के लिए पीतल लेपित माइक्रो स्टील फाइबर शामिल हैं।

जोगानी समूह के निदेशक महेश कुमार जोगानी कंक्रीट, बुनियादी ढांचे और निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मूल्य जोड़ने के लिए सुदृढीकरण उद्योग में नवाचार को बढ़ावा देते हैं। हाल ही में मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में, उन्होंने टिप्पणी की, "आज, अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान और विकास स्थिरता और पर्यावरण के अनुकूल व्यावसायिक प्रथाओं पर केंद्रित हैं, विशेष रूप से कंक्रीट और बुनियादी ढाँचे के क्षेत्रों में। भविष्य स्थायित्व और पर्यावरणीय प्रभाव आकलन में निहित है। न केवल भारतीय उद्यमियों के लिए बल्कि वैश्विक स्तर पर भी, धन सृजन के लिए नवाचार सबसे सीधा, प्रभावी और किफायती उपकरण है। हमारा उद्देश्य उच्च प्रदर्शन वाले उत्पाद और सिस्टम विकसित करना है जो किफायती, पर्यावरण के अनुकूल और स्थानीय परिस्थितियों में प्रभावी हों।"

जोगानी रीइन्फोर्समेंट रीइन्फोर्समेंट और दरार नियंत्रण प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निरंतर अनुसंधान और विकास के लिए समर्पित है। इस प्रतिबद्धता का उद्देश्य रीइन्फोर्समेंट उद्योग के लिए एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है, जो संभावित रूप से अन्य उद्योगों में भी विकास और विकास को बढ़ावा दे सकता है। कंपनी प्रीमियम लेकिन किफायती प्लास्टर/ फाइबरग्लास मेश रोल की अग्रणी आपूर्तिकर्ता है, जो भारत में निर्माण जोड़ों, छिपे हुए क्षेत्रों और सभी प्रकार के वॉटरप्रूफिंग में दरारों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक है। जोगानी सुदृढीकरण विभिन्न कंक्रीट और निर्माण फाइबर के लिए एकल-बिंदु स्त्रोत के रूप में कार्य करता है, जिसमें यूएचपीसी, बेसाल्ट फाइबर, कार्बन फाइबर और मिश्रित फाइबर के लिए पीतल लेपित माइक्रो स्टील फाइबर शामिल हैं, जिनका भारत में उपस्थीत अग्रणी आरएमसी, कंक्रीट, और निर्माण करनेवाली कंपनियों द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता हे, एवम सराहना भी की जाती है।

एक्मे फिनट्रेड लिमिटेड इंडिया लिमिटेड आइपीओ (आसान लोन्स आइपीओ) 19 जून, 2024 को खुला

एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड, एक आरबीआई पंजीकृत, अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी) है। इसकी स्थापना 1996 में की गई थी। कंपनी का आइपीओ 19 जून 2024 को खुलकर 21 जून 2024 को बंद होगा। यह 11, 00,000 शेयरों का एक फ्रेश इश्यू है। इस आइपीओ का बुक बिल्ट इश्यू 132 करोड़ रुपये है।

एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रही है। दो दशकों से ज्यादा के अनुभव के साथ एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड ने ग्रामीण आबादी की खास वित्तीय जरूरतों और आकांक्षाओं को समझने और पूरा करने की दिशा में एक मजबूत पहचान बनाई है। 200,000 से ज्यादा ग्राहकों की विश्वासपात्र, एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड वाहनों के लिए कर्ज और सिक्योर्ड लोन सहित लोगों की जरूरत के मुताबिक कई तरह के लोन देती है।

एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में सबसे आगे रही है। दो दशकों से ज्यादा के अनुभव के साथ, एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड ने ग्रामीण आबादी की खास वित्तीय जरूरतों और आकांक्षाओं को समझने और उन्हें पूरा करने की दिशा में एक मजबूत पहचान बनाई है। 2,00,000 से ज्यादा ग्राहक एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड पर भरोसा करते हैं। कंपनी व्हीकल फाइनेंस और सिक्योर्ड बिजनेस फाइनेंस प्रोडक्ट्स सहित लोगों की जरूरत के मुताबिक कई तरह के फाइनेंशियल सॉल्यूशन उपलब्ध कराती है जो विकास और समृद्धि को बढ़ावा देते हैं।

aasaanloans.com एक डिजिटल लैंडिंग प्लेटफ़ॉर्म है जिसका संचालन एक्मे फिनट्रेड (इंडिया) लिमिटेड (AFIL)करती है। ये प्लेटफॉर्म पहले से ही 30 से ज्यादा थर्ड-पार्टी API के साथ जुड़ा हुआ है और परिचालन प्रक्रिया को आसान और तेज़ बनाता है। यह अनूठा दृष्टिकोण कम जोखिम और उच्च संभावना वाले व्यवसायों की पहचान करने में सहायता करता है। इससे उन लोगों की वित्तीय जरूरतें पूरी करने में सहायता मिलती है जिनके पास पहले लंबी या छोटी अवधि के लोन हासिल करने की सुविधा नहीं थी।

इश्यू का लक्ष्य

व्यवसाय और परिसंपत्तियों के विस्तार के चलते कंपनी की पूंजी संबंधी जरूरतें बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में कंपनी इस आइपीओ से मिलने वाली शुद्ध रकम का इस्तेमाल अपने पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए करेगी ताकि भविष्य की पूंजी जरूरतों को पूरा किया जा सके। इसके अलावा, इस निर्गम से प्राप्त आय का एक हिस्सा इसी से संबंधित खर्चों को पूरा करने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। ग्रेटेक्स कॉरपोरेट सर्विसेज लिमिटेड आसान लोन्स आईपीओ का बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को इश्यू के लिए रजिस्ट्रार बनाया गया है।

दूसरों के दिलों में मिठास घोलने वाली अपने जीवन की कड़वाहट कैसे मिटाएगी: कलर्स की नई पेशकश 'मिश्री'

आधुनिक दौर में रिश्ते हमेशा बदलते रहते हैं, हर दिन नए पहलू सामने आते हैं। लेकिन इन सभी बदलावों के बीच, एक चीज स्थिर रहती है - दिलों को जोड़ने वाली 'मिठास' की इच्छा। 'रिश्तों का नया अंदाज़, मिठास के साथ' के साथ, कलर्स अपने आगामी शो 'मिश्री' के नवीनतम प्रोमो के साथ इस कालातीत सार को प्रदर्शित करने के लिए तैयार है, जिसमें मिश्री के रूप में श्रुति भिष्ट हैं, और नमिश तनेजा राघव का किरदार निभा रहे हैं। यह शो ऐसी लड़की के उतार-चढ़ाव भरे सफर को दर्शाता है, जो अपनी खुद की कड़वी नियति से जूझते हुए, दूसरों के लिए खुशियां और मीठा सौभाग्य लेकर आती है। मथुरा में रहने वाली मिश्री शहर की लाडली है, जिसे हर शुभ अवसर पर अपनी शुभ भाग्य लाने के लिए आमंत्रित किया जाता है। यह कहानी तब और उलझ जाती है जब उसकी चालाक चाची उसकी शादी अपने अधेड़ उम्र के अपराधी प्रवृत्ति वाले भाई से कराने की योजना बनाती है, और मिश्री जिस दूल्हे से शादी करने वाली थी उसे बदल देती है। जब सारी उम्मीदें खत्म हो जाती हैं, तब किस्मत करवट लेती है। एक नाटकीय मोड़ में, राघव किसी रक्षक की तरह सामने आता है और मिश्री से शादी कर लेता है, जिससे चाची की घिनौनी साज़िश विफल हो जाती है। जीवन की चुनौतियों को हराने की कहानी यहीं समाप्त नहीं होती है!

लेकिन यह कहानी यहीं समाप्त नहीं होती है - कृतज्ञता और मंगल सूत्र से बंधी, हमेशा दृढ़ निश्चयी रहने वाली मिश्री राघव पर बोझ नहीं बनना चाहती है, जो वाणी नाम की एक अन्य लड़की से प्यार करता है। मिश्री की निष्ठा राघव और उसकी होने वाली पत्नी वाणी के साथ है, जिसे वह बहन की तरह प्यार करती है। मिश्री अपने जीवन के दो सबसे महत्वपूर्ण लोगों को चोट पहुंचाए बिना, अपनी ज़िंदगी की इस जटिलता को कैसे पार करेगी?

मिश्री की भूमिका निभाने के अपने उत्साह को साझा करते हुए, श्रुति भिष्ट ने कहा, "मिश्री मेरे लिए वाकई खास है क्योंकि यह कलर्स के साथ मेरा पहला सहयोग है। मिश्री जहां भी जाती है खुशियां फैलाती है, फिर भी उसके अपने जीवन में वह मिठास नहीं है जो वह उदारता से दूसरों को देती है। वह अपने दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदलने की कोशिश में है, चाहे कुछ भी हो जाए। अपने माता-पिता को खोने और अपनी ही चाची द्वारा अवैतनिक नौकरानी की तरह व्यवहार किए जाने के बाद भी, मिश्री अपनी प्रेम भावना या बेहतर जीवन पाने के अपने सपनों को हालातों के आगे झुकने नहीं देती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस शो से एक चीज ज़रूर सीखेंगे, और वह है उम्मीद।"

सूरत में सिग्नल सिस्टम में समय की गड़बड़ी के कारण 108 एम्बुलेंस 5 मिनट तक रुकी रहीं

सुरत। जब से शहर में सिग्नल सिस्टम शुरू हुआ है, तब से कई जगहों पर टाइमिंग का कुप्रबंधन नागरिकों पर भारी पड़ रहा है. सिग्नल प्रणाली के कुप्रबंधन के कारण भारी ट्रैफिक जाम होता है। और एम्बुलेंस अक्सर इस समस्या में फंस जाती हैं। इसी तरह सूरत शहर के सोशियो सर्कल इलाके में एक 108 एंबुलेंस करीब पांच मिनट तक फंसी रही. ड्राइवर ने सायरन बजाया लेकिन ट्रैफिक जाम और सिग्नल के कारण एंबुलेंस फंस गई.

भारी ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो गई है

सूरत शहर के सोशियो सर्कल इलाके में एक एंबुलेंस भारी ट्रैफिक जाम में फंस गई. एम्बुलेंस चालक द्वारा लगातार सायरन बजाया जा रहा था, लेकिन सिग्नल प्रणाली के कारण भारी ट्रैफिक जाम हो गया और सायरन की आवाज आगे नहीं बढ़ पाई, जिससे लोग भ्रमित हो गए कि 108 एम्बुलेंस को कैसे आगे बढ़ने दिया जाए। यह पहली बार नहीं है कि सूरत शहर में ऐसी घटना कई बार हो चुकी है. सिग्नल प्रणाली की स्थापना के बाद से. इसके बाद से ही भारी ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो गई है और आए दिन एंबुलेंस इस जाम में फंसी नजर आती है.

ट्रैफिक जाम के कारण एम्बुलेंस को रास्ता नहीं दे सकते

108 एम्बुलेंस चालक द्वारा बार-बार सायरन बजाया जा रहा था। लेकिन भीषण जाम के कारण सायरन की आवाज ज्यादा दूर तक नहीं जा रही थी. टाइमिंग के कुप्रबंधन के कारण सूरत शहर के कई इलाकों में डेढ़ से दो किलोमीटर बेल्ट में ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो रही है। लेकिन कई बार ऐसी स्थिति में जब एंबुलेंस फंस जाती है तो भारी ट्रैफिक जाम के कारण लोग एंबुलेंस को रास्ता नहीं दे पाते.

108 एंबुलेंस के ड्राइवर ने कहा, मैं पिछले पांच मिनट से जाम में फंसा हूं. बहुत परेशानी होती है. एक मरीज को इमरजेंसी में लाया जाता है। पांडेसरा इलाके में सोशियो सर्कल के पास एक गली है जहां से हम मरीज को लेकर आए हैं. अब हमें क्या करना चाहिए लोगों को सिग्नल का पालन करना चाहिए लेकिन मेरे पास एक आपातकालीन स्थिति है। मैं कुछ नहीं कर सकता

सुस्त बाजार में भी एआई, बैंकिंग, एफएमसीजी, तेल एवं गैस क्षेत्र में नौकरियों की मांग में बढ़ोतरी दर्ज की गई : नौकरी जॉबस्पीक

भारत ।

भारत में व्हाइट कॉलर हायरिंग के जाने-माने इंडीकेटर नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स में अप्रैल 2024 की तुलना में मई में 6त्न की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, इसमें पिछले साल मई की तुलना (सालाना आधार पर) में फ्लैट ग्रोथ देखने को मिली है। मई 2023 की तुलना में 2% की मामूली गिरावट के साथ यह इंडेक्स 2799 पर आ गया है। अधिकांश क्षेत्रों में नौकरियों की संख्या में मिड-सिंगल डिजिट की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, आइटी (0% YoY), बीपीओ (-3%) और शिक्षा (-5%) ने इस इंडेक्स पर दबाव बनाया है। तेल व गैस (14%), बैंकिंग (12%) और एफएमसीजी (17%) जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मध्यम स्तर की ग्रोथ देखने को मिली है जबकि हेल्थ केयर और ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में नौकरियों की संख्या में 8त्न तक की मजबूत ग्रोथ देखने को मिली है। छोटे शहरों ने बड़े महानगरों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करना जारी रखा है। इसके अलावा सीनियर प्रोफेशनल्स की मांग में मजबूती देखने को मिली है जिसके चलते अनुभवी उम्मीदवारों के लिए नौकरियों की संख्या में सालाना आधार पर अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है।

हेल्थकेयर सेक्टर में रोजगार दर में सालाना आधार पर 8% की बढ़त देखने को मिली है। इस सेक्टर की नौकरियों में बढ़ेतरी का सबसे ज्यादा श्रेय बैंगलोर और हैदराबाद जैसे मेट्रो शहरों को जाता है। फ्रंटलाइन हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स से लेकर शोधकर्ताओं, प्रशासकों और टेक्नोलॉजी के जानकारों तक, हेल्थकेयर इकोसिस्टम के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा की मांग में बढ़त हुई है।

ग्लोबल एनर्जी मार्केट में उतार-चढ़ाव और रेग्युलेटरी स्थितियों में कड़ाई के बावजूद, तेल-गैस तथा बिजली सेक्टर में नौकरियों की संख्या में सालाना आधार पर 14% की बढ़ोतरी हुई है। इस सेक्टर में 13 से 16 वर्ष के अनुभव वाले प्रोफशनलों की मांग में सबसे ज्यादा बढ़त हुई है। हालांकि सभी अनुभव स्तरों की मांग में उछाल आया है। यह ग्रोथ बुनियादी ढांचे के विकास, रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स और एक्स्प्लोरेशन गतिविधियों में चल रहे निवेश से प्रेरित है। एफएमसीजी सेक्टर में रोजगार दर में सालाना आधार पर 17% की ग्रोथ देखने को मिली है। उपभोक्ताओं की वरीयताओं में बदलाव, शहरीकरण और ई-कॉमर्स विस्तार जैसे कारकों के चलते मजबूती और ग्रोथ जारी है। इस सेक्टर में रोजगार दर में मुंबई और कोलकाता में क्रमश: 38% और 25% की बढ़त हुई है। इनोवेशन, वितरण दक्षता और बाजार में पहुंच पर ध्यान केंद्रित करते हुए, एफएमसीजी कंपनियां बिक्री, मार्केटिंग, आपूर्ति श्रृंखला और उत्पाद विकास जैसे कार्यों में सक्रिय रूप से प्रतिभाओं को नियुक्त कर रही हैं।

एआइ-एमएल (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग) टैलेंट की मांग में निरंतर ग्रोथ देखने को मिल रही है। एआइ-एमएल में नौकरियों की दर में साल-दर-साल 37 फीसदी की मजबूत बढ़त हुई है। ये परिचालन दक्षता, इनोवेशन डिलिवरी और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए एआइ तकनीक में विशेषज्ञता और प्रतिभा के विकास की ओर इंडस्ट्री के फोकस के मुताबिक है।

मिनी-मेट्रो में भर्ती की दर बड़े महानगरीय क्षेत्रों की तुलना में लगातार बढ़ रही है। यह ट्रेंड छोटे शहरी केंद्रों में बढ़ती आर्थिक समृद्धि और रोजगार के अवसरों में बढ़त की और संकेत करता है जो शहरीकरण, बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक गतिविधियों के विकेंद्रीकरण जैसे कारकों की वजह से हुआ है। सूरत (+23% साल-दर-साल) और रायपुर (+22%) जैसे गैर-मेट्रो शहर भर्ती के हॉटस्पॉट के रूप में उभरे हैं। जबकि दिल्ली-एनसीआर, चेन्नई और हैदराबाद जैसे मेट्रो शहरों में भर्ती की दर में स्थिर रुझान देखने को मिला है। जबकि पुणे में भर्ती के रुझान में मामूली सुधार हुआ है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)